राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,13अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –198 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मॉनसून ने बिगाड़ी मजदूरों की हालत, शहर आना चाहते हैं वापस

नई दिल्ली। देश में कई राज्यों में तेज बारिश और बाढ़ ने वहां के और शहरों से गांव पहुंचे मजदूरों की हालत खराब कर रखी है। मौजूदा समय में राज्यों को मनरेगा के काम भी बंद करने पड़ रहे हैं। आलम ये है कि कई मजदूर अब वापस शहर भी आना चाहते हैं लेकिन इन हालात में ये संभव नहीं हो पा रहा है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीनों में मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए संजीवनी बनकर उभरा था। साथ ही शहरों से गांव पहुंचे कामगारों के लिए भी काफी मददगार रहा। आंकड़ों के मुताबिक करीब 91 करोड़ मानवदिवस का काम केवल दो महीनों में हुआ जो रिकॉर्ड है। यही नहीं 3.22 लाख परिवार ऐसे रहे हैं जिन्हें 100 दिन से ज्यादा का काम मिला है। लेकिन अब हालात बिगड़ने लगे हैं। तेज बारिश और कई राज्यों में बाढ़ के चलते मुश्किल आनी शुरू हो गई है। बिहार में तो काम करीब करीब बंद होने की कगार पर है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने देश के 13 बड़े राज्यों के आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुतबिक सरकार की तरफ से चिन्हित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना जिलों में 3 में से 1 परिवार को ही 30 दिन का काम मिल पा रहा है। बिहार में सरकार की

तेज बारिश और कई राज्यों में बाढ़ के चलते मुश्किल आनी शुरू हो गई है। बिहार में तो काम करीब करीब बंद होने की कगार पर है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने देश के 13 बड़े राज्यों के आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। इसके मुतबिक सरकार की तरफ से चिन्हित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना जिलों में 3 में से 1 परिवार को ही 30 दिन का काम मिल पा रहा है।

तरफ से मॉनसून के दौरान मनरेगा मजदूरों के लिए कामकाज की योजना का खाका न होने से मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।ओखला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी वाई सी जैन ने हिंदुस्तान को बताया है कि मॉनसून के चलते काम न होने के कारण मजदूर वापस शहर आना चाहते हैं। लेकिन बस ट्रेन की समुचित व्यवस्था न होने की वजह से उनका लौटना संभन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने ये भी बताया कि इनमें से कई तो ऐसे लोग हैं जो खास काम में माहिर हैं उनकी जगह नए मजदूर ढूंढ़ना भी दिक्कत भरा है। उम्मीद है कि अगले महीने तक हालात सुधरेंगे।काम किया लेकिन पेमेंट नहींयही नहीं कई राज्यों में मजदूर भ्रष्टाचार का भी शिकार हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड में मनरेगा का मस्टर रोल समय से तैयार नहीं हो रहा है। कई मामलों में तो ये काम पूरा हो जाने के बाद तैयार किया जाता है। ऐसे में जब पेमेंट की बारी आती है तो जिन मजदूरों ने काम किया होता है उनका नाम ही मस्टर रोल से गायब रहता है। ये मुश्किल उत्तर प्रदेश में भी मजदूरों को झेलनी पड़ रही है। यहां भी असली मजदूरों के नाम मस्टर रोल में दर्ज ना होने के मामले देखे गए हैं। जिससे काम के बाद भी उन्हें पेमेंट नहीं मिल पाती है। साथ ही आधार आधारित पेमेंट के भी किसी दूसरे खाते में जानी की शिकायतें भी मिली हैं।

बिहार में जल प्रलय–20 और पंचायतों में घुसा पानी, अब तक 16 जिलों की 75 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

पटना। बाढ़ ने राज्य के 20 और पंचायतों को प्रभावित कर दिया है। इस तरह अब 16 जिलों के 126 प्रखंडों की 1260 पंचायतों की 75 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हो चुकी है। आपदा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव रामचंद्रडु ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह लाख 69 हजार बाढ़ पीड़ित परिवारों के खाते में छह-छह हजार की राशि भेज दी गई है। यह राशि 401 करोड़ है। शेष पीड़ितों के खाते में सहायता राशि भेजने की कार्रवाई चल रही है। शीघ्र ही सभी के खाते में राशि भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावितों के लिए राज्य में 1204 सामुदायिक किचेन चलाए जा रह हैं, जहां पर अभी प्रतिदिन नौ लाख 30 हजार लोगों को भोजन कराया जा रहा है। सात राहत केन्द्र भी चलाए जा रहे हैं, जहां पर 12500 लोग रह रहे हैं।

तेज बारिश से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की बढ़ी चिंता

उधर उत्तर बिहार में मंगलवार शाम से कई इलाकों में शुरू तेज बारिश ने फिर सबकी बेचैनी बढ़ा दी। नेपाल के तराई इलाकों और चंपारण के कुछ हिस्सों में तेज बारिश होती रही। अगले तीन दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट है। ऐसे में गंडक, बूढ़ी गंडक और बागमती जैसी नदियां फिर से बाढ़ क्षेत्र को खतरे में डाल सकती हैं। इस आशंका से बाढ़ पीड़ित डरे हुए हैं। वहीं जल संसाधन विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमों को अलर्ट मोड में रखा गया है। हालांकि अभी मुख्य तीन नदियों गंडक, बूढ़ी गंडक व बागमती के जलस्तर में कमी आयी है। फिर भी दो नदियां अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुजफ्फरपुर में बूढ़ी गंडक व बागमती का जलस्तर अब भी खतरे के निशान से ऊपर है। बूढ़ी गंडक का पानी लगातार तिरहुत नहर के टूटे तटबंध से जिले के दो हिस्सों में बढ़ रहा है।

मुख्य आरोपी समेत 110 गिरफ्तार, 2 की मौत, 60 पुलिसकर्मी घायल...

बेंगलुरु। सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर बेंगलुरु में आग ऐसी भड़की कि इसमें दो लोगों की मौत हो गई और करीब 60 से अधिक पुलिस के जवान घायल हो गए। हालांकि, अब बेंगलुरु पुलिस ने कांग्रेस विधायक श्रीनिवास के भतीजे को सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट शेयर करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि इसी पोस्ट के बाद बीती रात बेंगलुरु में हिंसा भड़क उठी और गोलीबारी हुई। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर कमल पंत ने कहा, शहर में हिंसा से जुड़े मामलों में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर मुख्य आरोपी नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कांग्रेस विधायक मूर्ति के भतीजे ने पैगंबर को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था, जिसके बाद

● बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर कमल पंत ने कहा, शहर में हिंसा से जुड़े मामलों में अब तक 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर मुख्य आरोपी नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, कांग्रेस विधायक मूर्ति के भतीजे ने पैगंबर को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था,

अल्पसंख्यक समुदाय का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने विधायक के घर तोड़फोड़ की।

पैगंबर पर अपमानजनक पोस्ट के बाद बेंगलुरु में सांप्रदायिक हिंसा, गोलीबारी में दो की मौत, 60 पुलिसकर्मी घायल

इस मामले पर कर्नाटक के गृहमंत्री ने कहा, मामले की जांच हो रही है, लेकिन तोड़फोड़ से किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। सुरक्षा के मद्देनजर इलाके में अतिरिक्त बलों को तैनात कर दिया गया है और उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने कहा कि इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 60 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस आयुक्त कमल पंत ने बताया कि कथित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भड़की हिंसा के बाद बेंगलुरु के डीजे हल्ली और केजी हल्ली पुलिस स्टेशन इलाके में उग्र भीड़ से झड़प के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सहित करीब 60 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए।

उन्होंने कहा, उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए की गई फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेंगलुरु में सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है और डीजे हल्ली व केजी हल्ली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आनेवाले इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

कौन हैं भारतीय मूल की कमला हैरिस

जिन्होंने अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से रच दिया इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय मूल की कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के लिए टिकट हासिल कर इतिहास रच दिया है। अमेरिकी चुनाव में डमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कैलिफोर्निया सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया है। उपराष्ट्रपति पद की टिकट पाने वालीं कमला हैरिस पहली एशियाई-अमेरिकी हैं। कमला हैरिस भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक हैं। उनकी मां श्यामा गोपालन हैरिस का जन्म चेन्नई में हुआ था और वह एक कैंसर शोधकर्ता थीं, जिनका 2009 में निधन हो गया और उनके पिता डोनाल्ड हैरिस जमैका के रहने वाले हैं, जो फिलहाल स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाते हैं। जब हैरिस और उनकी छोटी बहन माया हैरिस बहुत छोटी थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे। भारतीय मूल की कमला हैरिस बनीं अमेरिकी उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार, जो बाइडेन के ऐलान से गदगद हैं भारतीय-अमेरिकी

हैरिस अब उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी करने वालीं भारतीय और एशियाई मूल की पहली अमेरिकी हैं। वह डेमोक्रेट गेराल्डाइन फेरारो और रिपब्लिकन सारा पॉलिन के बाद एक प्रमुख पार्टी की पहली अफ्रीकी अमेरिकी और उस पद के लिए उम्मीदवारी करने वालीं तीसरी महिला भी हैं।

कहां पली-बढ़ीं और कहां से हुई पढ़ाई

कमला हैरिस ऑकलैंड में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री ली है। इसके बाद कमला ने कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। हैरिस सैन फ्रांसिस्को में जिला अटॉर्नी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। वह 2003

में सैन फ्रांसिस्को की जिला वकील बनी थीं।

हैरिस ने साल 2017 में कैलिफोर्निया से संयुक्त राज्य सीनेटर के रूप में शपथ ली थीं। वो ऐसा करने वाली दूसरी अश्वेत महिला थीं। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी एंड गवर्नमेंट अफेयर्स कमेटी, इंटेलिजेंस पर सेलेक्ट कमेटी, ज्यूडिशियरी कमेटी और बजट कमेटी में भी काम किया। हालांकि, पिछले साल तक कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की रेस में थीं, मगर समर्थन नहीं मिल पाने की वजह से इस रेस से बाहर हो गई थीं।

HAL से वायुसेना के लिए खरीदे जाएंगे 106 बेसिक ट्रेनर विमान, रक्षा मंत्रालय ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के लिए 106 बेसिक ट्रेनर विमानों (बीटीए) की खरीद को मंजूरी प्रदान की है। ये विमान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एचएएल से खरीदे जाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देते हुए कुल 8722.38 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड ने सफलतापूर्वत बेसिक ट्रेनर एयरफ्राफ्ट एचटीटी-40 का विकास किया है। इसके प्रमाण की प्रक्रिया चल रही है। यह प्रक्रिया पूरी होते ही 106 विमान वायुसेना के प्रशिक्षण कार्य के लिए खरीदे जाएंगे। बेसिक ट्रेनर वे विमान होते हैं जिसमें पायलट शुरुआती प्रशिक्षण हासिल करते हैं। पहले चरण में 70 बीटीए खरीदे जाएंगे तथा वायुसेना में इनके बेड़े का संचालन शुरू होने के बाद 36 और विमानों की खरीद की जाएगी। डीएसी ने नौसेना एवं तटरक्षक बलों के जहाजों में इस्तेमाल होने वाली सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) की खरीद को भी मंजूरी प्रदान की है। इससे नौसेना एवं तटरक्षक बल की फायरिंग क्षमता में इजाफा होगा। इनका निर्माण भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा किया जाएगा। दरअसल, यह एसआरजीएम का

आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देते हुए कुल 8722.38 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी प्रदान की गई है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड ने सफलतापूर्वत बेसिक ट्रेनर एयरफ्राफ्ट एचटीटी-40 का विकास किया है।

संशोधित संस्करण है जो मिसाइल और तीव्र हमला करने वाले शस्त्रों को निशाना बनाता है। इसके अलावा 125 एमएम एपीएफएसडीएस आमीनेशन की खरीद को भी मंजूरी प्रदान की गई है जिसमें 70 फीसदी देशी कंटेंट होगा। डीएसी ने एके 203 की खरीद को तेज करने तथा अनमैंड एरियल व्हीकल अपग्रेड करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

18 किलोमीटर रोजाना बन रहे हैं नेशनल हाईवे, मॉनसून के बाद और तेजी की संभावना

नई दिल्ली। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में देश में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण की रफ्तार 18 किलोमीटर प्रतिदिन पहुंच गई है। सरकार ने पहले दिन महीने (अप्रैल-जून) में 1640 किलोमीटर राजमार्गो का निर्माण किया है। हालांकि, 30 किलोमीटर प्रतिदिन राजमार्ग बनाने के लक्ष्य से अभी काफी पीछे है। अनलॉक प्रक्रिया शुरू होने व मानूसन के बाद निर्माण कार्य में तेजी आने की संभावना है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रायल के आंकड़ो के अनुसार, अप्रैल, मई व जून (पहली तिमाही) में 1640 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण किया गया है। वहीं 1658 किलोमीटर राजमार्गा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मंत्रालय प्रतिदिन 18

किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गो का निर्माण करना उपलब्धि मान रही है। क्योंकि लॉकडाउन के शुरूआती तीन हफ्तों तक कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया था। वहीं, निर्माण क्षेत्र को लॉकडाउन में छूट मिलने के बाद मजदूरों व कुशल कारीगरों व निर्माण मशीनों को चलाने वाले ड्राइवरों के अभाव में सड़क निर्माण कार्य अपनी गति से नहीं चला था। आधी मैनपवार होने से 20 अप्रैल से मई तक 867 किलोमीटर राजमार्ग बने थे। जबकि पिछले साल उक्त दो माह में 1692 किलोमीटर राजमार्ग बन चुके थे। इस साल एक महीने जून में ही 793 किलोमीटर राजमार्गो का इजाफा हुआ है। मंत्रायल के अधिकारियों ने बताया कि हर साल वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में 20 से 21 किलोमीटर प्रतिदिन सड़क बनाने की रफ्तार रहती है। मानसून समाप्त होने केबाद राष्ट्रीय राजमार्गो का काम फुल स्पीड पर चलता है। उन्होंने कहा कि देश में 30 किलोमीटर हर रोज राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का लक्ष्य हासिल जल्द ही कर लेंगे। परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने का लक्ष्य 12500 किलोमीटर से बढ़ाकर 14000 किलोमीटर कर दिया है। जबकि राजमार्ग बनाने का लक्ष्य 10,250 किलोमीटर रखा गया है।

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में दर्दनाक हादसा, प्राइवेट बस में आग लगने के चलते 5 यात्रियों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बुधवार सुबह विजयपुरा से बेंगलुरु जा रही निजी कंपनी की बस में आग लगने की वजह से 5 यात्री जिंदा जल गए। यह घटना चित्रदुर्ग जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस में 32 यात्री सवार थे और जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 4 पर केआर हल्ली के पास आग लगी। मृतकों में दो बच्चों के साथ एक महिला भी शामिल है। बस के इंजन में कोई खराबी आने की वजह से दर्दनाक हादसा हुआ। हादसे के बाद घटनास्थल पर एसपी राधिका ने पहुंची हैं। घायलों को नजदीक के जिला सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है

संजय दत्त को फेफड़ों का कैंसर, इलाज के लिए जाएंगे अमेरिका

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त स्टेज 4 लंग कैंसर से पीड़ित हैं। रिपोर्ट के अनुसार संजय दत्त इलाज के लिए अमेरिका जाएंगे। सोमवार को संजय दत्त मुंबई के लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज हुए थे। हाल ही में संजय दत्त ने एक पोस्ट के जरिए से फैन्स को जानकारी दी थी कि वह कुछ समय के लिए काम से ब्रेक ले रहे हैं। उन्होंने लिखा था कि हाय फ्रेंड्स, मैं काम से छोटा-सा ब्रेक ले रहा हूं, क्योंकि मेरा इलाज चल रहा है। मेरा परिवार और दोस्त मेरे साथ हैं। उम्मीद करता हूं कि आप लोग कयास नहीं लगाएंगे और टेंशन नहीं लेंगे। आपके प्यार के लिए मैं जल्द वापस आऊंगा। बताते चलें कि संजय दत्त की मां नरगिस और पहली पत्नी ऋचा शर्मा भी कैंसर से पीड़ित थीं, जिसके चलते दोनों का निधन हुआ था। अस्पताल के सोर्स ने बताया कि जब संजय दत्त को अस्पताल लाया गया था तो उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी। ऑक्सीजन सैचूरेशन लेवल काफी कम था। लेकिन जब उनकी कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई तो उन्हें कैंसर संबंधित जांच के लिए लेकर जाया गया। इसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। संजय दत्त के डॉक्टर जलील पारकर से जब कॉन्टैक्ट करने की कोशिश की गई तो उन्होंने इसपर कुछ भी कॉमेंट करने से इनकार कर दिया। जर्नलिस्ट कोमल नाहटा ने ट्वीट कर संजय दत्त के लंग कैंसर से पीड़ित होने की जानकारी दी है। नाहटा ने कहा, 'संजय दत्त लंग कैंसर से पीड़ित हैं। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' वहीं, अध्ययन सुमन ने ट्वीट कर लिखा, %संजय सर, लंग कैंसर से पीड़ित पाए गए हैं। सर, जल्दी ठीक होकर वापस आइए। यह साल हमारे साथ ऐसा क्यों कर रहा है?' आपको बता दें कि अपनी तबीयत खराब होने की जानकारी संजय दत्त ने खुद सोशल मीडिया पर दी थी। उन्होंने लिखा, 'आप सभी को आश्वासन देता हूं कि मैं ठीक हूं। मेरी जांच चल रही है। मेरी कोविड-19 रिपोर्ट नेगेटिव आई है। लीलावती हॉस्पिटल के स्टाफ, डॉक्टर्स और नर्स की मदद से मैं एक या दो दिन में घर वापस आ जाऊंगा। आप सभी का दुआओं के लिए धन्यवाद।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जांच बढ़ाने पर जोर

देश के दस राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी कल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अधिक से अधिक जांच की बात पर जिस तरह से जोर दिया, वह महामारी से निपटने में इस कदम की अहमियत को स्पष्ट कर देता है। उन्होंने उन राज्यों से खास तौर से अपील की कि वे अपने यहां जांच की रफ्तार और दायरा बढ़ाएं, जहां संक्रमण-दर और मृत्यु-दर अधिक हैं। बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट करके बाकायदा बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना सरकारों से इस काम में तेजी लाने को कहा। इसमें कोई दोराय नहीं कि जांच की संख्या और दायरे के विस्तार के साथ संक्रमण के आंकड़े बढ़ेंगे, लेकिन संक्रमितों को वक्त पर उपचार मुहैया कराकर ही मृत्यु-दर को कम किया जा सकता है। अब यह वैश्विक स्तर पर स्थापित तथ्य है कि जिन देशों ने बचाव के अन्य उपायों के साथ शुरुआती दौर में ही ज्यादा से ज्यादा जांच का रास्ता अपनाया, वे आज बेहतर स्थिति में हैं। हमारे लिए राहत की एक बात यह है कि मृत्यु-दर दो फीसदी के नीचे आ गई है। जाहिर है, रिकवरी रेट बढ़ रहा है। लेकिन महामारी से हमारी लड़ाई अभी काफी कठिन मोड़ पर है। चूंकि संक्रमण के मामले अब ग्रामीण इलाकों से भी काफी मिल रहे हैं, इसलिए हमें पहले से अधिक चिकित्सकों, अस्पतालों और अन्य संसाधनों की जरूरत पड़ेगी, जबकि हम अब तक इस जंग में तकरीबन 200 डॉक्टरों की शहादत दे चुके हैं और पहली कतार के कोरोना वॉरियर्स व अस्पतालों पर भी दबाव बढ़ता जा रहा है। यही नहीं, लंबे लॉकडाउन और आर्थिक सुस्ती के कारण आम लोगों पर भी एक अलग किस्म का दबाव है। खुद प्रधानमंत्री ने कल की बैठक में इसका संकेत किया था। ऐसे में, एक राष्ट्र के तौर पर यह हमारे धैर्य की परीक्षा की घड़ी है। और महामारी को परास्त करने के लिए हमें इस परीक्षा में पास होना ही होगा। कल की बैठक में कुछ मुख्यमंत्रियों ने राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) से कैप हटाने की भी मांग की, ताकि वे अपने सूबे में महामारी की चुनौतियों का मुकाबला अच्छे तरीके से कर सकें। अभी इस कोष से अधिकतम खर्च-सीमा 35 फीसदी है। पंजाब, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों ने केंद्र से इससे अधिक राशि निकालने की इजाजत मांगी है। राज्यों की यह मांग जायज लगती है, क्योंकि पिछले छह महीनों से उनकी राजस्व-उगाही बुरी तरह प्रभावित हुई है, और फिर बिहार व केरल जैसे राज्य तो बाढ़ की आपदा का भी सामना कर रहे हैं। स्वाभाविक है, उन्हें इस कैप की वजह से दुश्वारियां पेश आ रही हैं। बहरहाल, केंद्र और राज्यों ने जिस समन्वय के साथ अब तक इस महामारी का मुकाबला किया है, उसकी यकीनन सराहना की जानी चाहिए। तब तो और, जब अमेरिका जैसा मजबूत संघीय ढांचा इस महामारी में चरमराता हुआ दिखा और राष्ट्रपति ट्रंप व विपक्ष शासित राज्यों की तनातनी की कीमत हजारों अमेरिकियों को जान देकर चुकानी पड़ी। भारत में राज्यों के मुख्यमंत्री के साथ प्रधानमंत्री शुरुआत से ही लगातार बैठकें करते रहे हैं और इससे समस्याओं के मूल तक पहुंचने की एक समझ बनी है। यह एक मुश्किल लड़ाई है और विभिन्न शासकीय इकाइयों के बीच बेहतर तालमेल, अधिकतम जांच एवं व्यापक जन-जागरूकता से ही इसमें फतह मिल सकती है।

आज के ट्वीट

हमला

बेंगलुरु में कांग्रेस के दलित विधायक के घर पर मीम मंडली ने हमला किया लेकिन प्रियंका, राहुल गांधी और दलित चिंतकों की जुबान भी नहीं खुली.

--अर्णव गोस्वामी

कृषि सुधारों के व्यावहारिक लाभ का प्रश्न

देविंदर शर्मा

हाल ही में सरकार के तीन अध्यादेशों की घोषणा को कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने ऐतिहासिक करार दिया। इन अध्यादेशों से मुख्यधारा के मीडिया के एक हिस्से में भी उत्साह की भावना भर गई। एक शीर्षक कहता है, 'अब, अंततः किसान सांस ले सकते हैं।' लंबे समय से लंबित कृषि सुधारों को सलाम करते हुए एक अन्य समाचार पत्र ने लिखा, 'किसी भी किसान को, कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता ने उसे मंडियों के चंगुल से मुक्त कर दिया।' अंततः केंद्र सरकार के फैसले पर खुशी जताई जा रही है। ज्यादातर शहरी जो बिना सोचे-समझे किसानों को परिभाषित करते हैं, का मानना है कि किसान बिचौलियों के पंजे से मुक्त हो गया है। धोती-कुर्ता पहनने वाले व्यापारी बहुत साक्षर नहीं हैं, लेकिन अपने दिन-प्रतिदिन के लेनदेन में बहुत ही चतुर खिलाड़ी हैं। इन्हें अक्सर बॉलीवुड फिल्मों में एक साइड विलेन के रूप में चित्रित किया गया। केवल फिल्में ही नहीं, पाठ्य पुस्तकों ने भी उन्हें विकास की कहानी के खलनायक के रूप में चित्रित किया है। यह वह छवि है जो हमारी सोच में अंतर्निहित हो गई है। चाहे उसे आढ़ती, साहूकार या बिचैलिया के नाम से पुकारो, वह प्रायः धोती-कुर्ता या कुर्ता-पायजामा पहने होता है। हालांकि, वेबस्टर शब्दकोश बिचौलिये को निर्माता और उपभोक्ता के बीच एक व्यापारी के रूप में वर्णित करता है। लेकिन अमूमन उसके प्रति नकारात्मक धारणा है जो उसे एक ग्रे चरित्र की तरह चित्रित करता है। यह सच से परे है। एग्रीटेक सलाहकार एवं ब्लॉगर वेंकी रामचंद्रन द्वारा शायद उद्देश्य के करीब एक परिभाषा दी गई है, 'बिचौलिये किसानों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण मुहैया करवाते हैं। प्रासंगिक संबंध-आधारित समझ और फसल चक्र संबंधित सलाह भी देते हैं।' वास्तव में ये संबंध ऋण और इनपुट देने से कहीं आगे बिक्री के बाद बची फसल के इस्तेमाल व पारिवारिक आपात स्थितियों में बहुत जरूरी सहायता करने तक विस्तृत हैं। फिर भी शिक्षित पारंपरिक रूप से कपड़े पहने बिचौलिए से घृणा करते हैं। जबकि जो टाई और सूट में तैयार होते हैं, उनके पास एक बिचौलियेपन को लेकर ऐसी कोई योग्यता नहीं है। एक बिचौलिये की भूमिका के लिए क्या पोशाक निर्धारित है और पसंद-नापसंद क्या है, मनोवैज्ञानिकों के लिए पता लगाने जैसा इसमें कुछ नहीं है लेकिन शायद स्थानीय आढ़तियों के प्रति तिरस्कार मौजूदा पीढ़ी को बदलने के काम आता है। फिर भी पारंपरिक कपड़े पहनने वाले बिचौलियों से शिक्षित नफरत करते हैं जबकि उनके पास ऐसा कोई गुण नहीं जो टाई-सूट पहनने वालों में होता है। लिखने व फोन पर सलाह देने वाले बहुत बातूनी, उच्च शिक्षित जो लोग किसान और उपभोक्ता के बीच अंतर को पाटने के लिए बिचौलिये को बाहर निकालने का रास्ता दिखाते हैं लेकिन जब उनसे पूछा जाता है कि वे अलग नया क्या कर रहे हैं तो वे पीछे मुड़कर नहीं देखते। उदाहरण के लिए, कृषि इनपुट बाजार के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करने वाला एक स्टार्ट-अप सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए एक बिचौलिया है। सच यह है कि वे तकनीकी और प्रायः एप आधारित तकनीकी समाधान का इस्तेमाल करते हैं। वे फुटकर विक्रेता से मामूली अलग हो सकते हैं लेकिन अंततः मुख्य रूप से किसानों को कृषि इनपुट्स कमीशन पर बेचने का प्रयास करते हैं। उनमें से ज्यादातर समय की जरूरतों को पूरा करने पेस्टीसाइड्स, उर्वरक आदि बेचने के लिए मौसम आधारित सलाह का उपयोग करते हैं। किसी स्थिति में जो एल्गोरिदम स्टार्ट-अप का उपयोग कर रहा है और वह बड़े खुदरा विक्रेताओं या छोटे उद्यमों के लिए सही हो सकता है लेकिन अंत में यह प्रयास मार्जिन को कम करने और मुनाफे को बढ़ाने के लिए ही है। फिर स्टार्ट-अप की यह श्रेणी है जो खेत से भुगतान तक की श्रृंखला में मध्यस्थ के रूप में सेवा देने के लिए प्रसिद्ध होने का दावा करती है। उनमें से अधिकांश सब्जी और बागवानी आपूर्ति श्रृंखलाओं में काम करते हैं, उपभोक्ताओं को ताजे फल और सब्जियों की सीधी डिलीवरी के साथ। उत्तम रूप में इन मध्यवर्ती संस्थाओं को विनम्र स्ट्रीट वेंडर्स और पड़ोस के खुदरा सब्जी दुकानदार की जगह बिचौलियों के तौर पर बदली जाने वाली नई पीढ़ी कहा जा सकता है। समय ही बताएगा कि किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के वादे के अनुसार किसानों को अधिक लाभ कैसे प्राप्त हो सकता है, और क्या वे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलवा पाना सुनिश्चित कर पाएंगे। हमें महाराष्ट्र में दो एफपीओ के बारे में पता है, जिन्होंने न्यूनतम बिक्री मूल्य पर किसानों से चना खरीदा और घाटे में चले गए। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि स्टार्ट-अप और एफपीओ की स्थापना के पीछे का उद्देश्य सराहनीय है। लेकिन कृषि में नई तकनीक लाने का दावा करते हुए यह चुनौती बनी हुई है कि उच्च मूल्य कैसे प्रदान किया जाए। मूंग का मामला लीजिए। 2020-21 के विपणन सीजन के लिए मूंग का न्यूनतम बिक्री मूल्य 7 हजार 196 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया हुआ है। मध्य प्रदेश के बाजारों में औसत बाजार मूल्य 4,000 रुपये से 4,500 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। 4,500 रुपये से अधिक की किसी भी कीमत को उच्च मूल्य कहा जाएगा। लेकिन क्या बिचौलियों की नई पीढ़ी यह सुनिश्चित कर पाएगी कि मूंग किसानों को एमएसपी के अनुसार भुगतान किया जाए? यदि नहीं, तो मंडी में बैठे आढ़तियों को दोष क्यों दें? कहीं भी, किसी को भी बेचने की आजादी का उत्साह अब खत्म होता दिख रहा है। यदि एमएसपी एक बेहतर मूल्य तलाश के रास्ते में आ रहा है तो राष्ट्रीय सैंपल सर्वे कार्यालय (एनएसएसओ) की 70वीं राउंड रिपोर्ट ने दिखाया कि जुलाई 2012 और जून 2013 के बीच गन्ने को छोड़कर अधिकांश कृषि उत्पाद स्थानीय निजी व्यापारियों को बेचे गये और बहुत कम हिस्सा सरकारी व सहकारी एजेंसी को बेचा गया। उदाहरण के लिए वर्ष 2013 के रबी विपणन सीजन में 79 प्रतिशत मूंग निजी व्यापारियों, मंडी में 18 प्रतिशत और सरकारी एजेंसी को केवल तीन प्रतिशत ही बेची गई। इसी तरह, 64 प्रतिशत धान निजी व्यापारियों, 17 प्रतिशत मंडी और केवल छह प्रतिशत सरकारी एजेंसी को बेचा गया। क्या निजी व्यापारियों ने उन्हें अधिक कीमत की पेशकश की? नहीं। यदि बड़ा हिस्सा निजी थोक व्यापारियों को बेचा जा रहा था और वो भी मंडी के बाहर, जैसा कि नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की रिपोर्ट बताती है तो इसका मतलब है कि किसी को भी, कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता पहले से ही है। मैंने बार-बार कहा कि केवल छह प्रतिशत किसानों को ही अधिकतम बिक्री मूल्य का लाभ मिलता है जबकि शेष 94 प्रतिशत बाजारों पर निर्भर हैं। इसलिए सवाल यह नहीं है कि किसान आढ़तियों को बेचता है या बिचौलियों की नई पीढ़ी को लेकिन यह सच्ची स्वतंत्रता नहीं है। सबसे बड़ा सुधार तब होगा जब किसानों को न्यूनतम बिक्री मूल्य से अधिक पर कहीं भी, किसी को भी बेचने की आजादी मिले। लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

ज्ञान गंगा

सबको स्वीकार करें

सद्गुरु

कुछ समय पहले की बात है, किसी ने मुझसे पूछा, 'योग का मतलब तो मिलन या एक होना है, फिर भेदभाव करने वाले मन का क्या करें? क्या ऐसा नहीं है कि जो बुरा है उसे हम छोड़ दें और जो अच्छा है, उसे अपना लें?' देखिए, आज जो कीचड़ है, वही कल फूल बन सकता है, आज जो गंदगी है, वह कल फल बन सकती है, आज जो दुर्गंध है, वह कल सुगंध में बदल सकती है। अगर हम आपके निर्णय से चलें और सारी गंदगी को बाहर कर दें, तो आपके हिस्से में ना कभी फूल आएगा, न फल, और न ही खुशबू। इसलिए सबको साथ लेकर चलने की सोच कोई पसंद का मुद्दा नहीं है क्योंकि ब्रह्माण्ड की बनावट ऐसी है ही नहीं। आज जो इंसान है, वह कल मिट्टी हो जाएगा। अगर हमें आज ही यह समझ आ जाए, तो हम इसे योग कहते हैं। वरना अगर यही बात अंत में समझ आती है, तो हम इसे अंतिम संस्कार कहते हैं। बेहतर होगा कि यह अनुभूति आपको अभी हो जाए। आपको यह बात समझनी चाहिए कि आप फिलहाल भी इस धरती का वैसा ही अंश है, जैसा कि आप मरने के बाद होंगे। आप जिसे 'मैं' कहते हैं, या जिसे एक 'कीड़ा', 'केंचुआ' या 'गंदगी' कहते हैं, बुनियादी रूप से सब एक ही हैं। आप भोजन और कीचड़ के साथ एक जैसा व्यवहार नहीं कर सकते, लेकिन बिना कीचड़ के भोजन पैदा हो ही नहीं सकता। आज जो भोजन है, वह कल फिर से गंदगी में बदल जाएगा। अगर सबको समाहित करने का भाव नहीं होगा, तो जीवन में कोई जैविक एकता होगी ही नहीं। इस जैविक एकता के अभाव में इंसान का संघर्ष अंतहीन हो जाता है। शुरू में यह एक मानसिक समस्या के रूप में शुरू होगा। बाद में आप जैसे-जैसे तरक्की करेंगे, आप भावनात्मक रूप से निराशा से भर उठेंगे। अगर आप आगे और भी तरक्की करते हैं तो यह एक शारीरिक रोग का रूप ले लेगा। जैसे-जैसे हम जीवन के साथ जैविक एकता खोते जाएंगे, वैसे-वैसे हमारी दशा खराब होती जाएगी। अगर आप जीवन व जीवन बनाने वाले पदाथरे, जैसे धरती-जिस पर आप चलते हैं, पानी - जो आप पीते हैं, हवा, जिसमें आप सांस लेते हैं, या फिर आकाश जो आपको थामे हुए है, के साथ जाने-अनजाने, सचेतन या अचेतन रूप से अपनी दूरी बना लेंगे तो विकृति तो आएगी ही।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

महिलाओं की एकजुटता लायेगी बदलाव

लक्ष्मीकांता चावला

शराब के कहर से महिलाएं दुखी, परेशान और अनाथ हो जाती हैं। जब कोई पुरुष घर में शराब पीकर आता है तब भी वहां डर का वातावरण बनता है। बच्चे भी पिटते हैं और पत्नी तो बहुत बार पीटी जाती है। जब नकली शराब से मरने वालों की बहुत बड़ी संख्या एक ही बार में मौत के मुंह में चली जाती है तो वहां भी रोने के लिए बुढ़ापा बचता है। महिलाएं विधवा होकर, बुढ़ापा असहाय होकर और बच्चे अनाथ होकर रह जाते हैं। जहां तक सरकारों का संबंध है, किसी सरकार ने आज तक शराब के विरुद्ध डंडा नहीं उठाया, जैसा पंजाब सरकार तंबाकू के विरुद्ध उठाती है। अगर तंबाकू की तरह ही शराब के विरुद्ध भी डंडा उठा लिया जाए और जनजागरण अभियान सारे साधु-संत, मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च और मस्जिद वाले शराब के विरुद्ध चलाएं तब जाकर समाज का कल्याण हो सकता है। सच्ची बात यह है कि जब तक महिलाएं शराब के विरुद्ध कमर कसकर नहीं खड़ी होतीं, जिस तरह मणिपुर की महिलाओं ने हाथ में मशाल और डंडा लेकर रात-रात भर पहरेदारी की थी, वैसे ही पंजाब और देश की महिलाओं को करनी होगी। पंजाब में 133 से ज्यादा लोग शराब के कारण मौत के मुंह में चले गए। कितने लोग आंखों की रोशनी खो बैठे। इस सारे कांड में तो विपक्षी राजनेताओं की तो मानो लॉटरी निकल आई। पुरानी कहावत है—किसे दी धी मरी, किसे दे करम जागे। आजकल इसे कहते हैं—बिल्लियों के भाग से छीका टूटा। पंजाब की हर विरोधी पार्टी के नेता सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। उनके आंसू कितने असली हैं, यह जनता जानती है। राजनेता समयानुसार आंसू बहाने और मुस्कुराने में माहिर होते हैं। इन दिनों जब कोरोना का कहर चल रहा है, बार-बार यह कहा जा रहा है कि सामाजिक दूरी रखो, मास्क पहनकर आओ, ऐसे समय में जब ये नेता प्रदर्शन करते हैं तब मास्क लगभग गायब हो जाते हैं और सामाजिक दूरी तो इतनी कम कि पुलिस से झड़प करते हुए एक दूसरे के गले मिलते नहीं, गले पड़ते हैं। मेरा तो देश भर की महिलाओं से एक आह्वान है कि कोई दैवीय शक्ति शराब के प्रकोप से बचाने के लिए नहीं आने वाली। सरकारें शराब पिलाएंगी, शराब से बचाएंगी नहीं, क्योंकि सरकार की नैया शराब के टैक्स के सहारे चलती है। शराबी के परिवार में शांति कभी नहीं रहती। गरीब आदमी और गरीब हो जाता है। बहुत सी ऐसी महिलाएं हैं जो दिनभर कड़ी मेहनत करके जो कुछ भी कमाकर लाती हैं, वे शराबी या नशेड़ी पति छीन लेता है। एक घटना है कि पोते ने दादी को इसलिए मार दिया क्योंकि दादी ने शराब के लिए रुपये नहीं दिए। कुल मिलाकर यह कि शराबी पति घर में आए, शराबी पुत्र नशे में धुत होकर आए या नकली-असली शराब पीने से रोटी कमाने वाले की मौत हो जाए, रोना तो महिलाओं को ही है। मुझे आश्चर्य है कि अब पंजाब पुलिस को जैसे कोई दैवीय आकाशवाणी हो गई। पंजाब प्रशासन अचानक कुंभकरण की तरह जाग उठा और अमृतसर से लेकर पूरे पंजाब में छापे पड़ रहे हैं। अल्कोहल बरामद की जा रही है। नकली शराब की भट्ठियां पकड़ी जा रही हैं। ऐसी मेहनत करने की पुलिस को जरूरत ही क्या है। कितना अच्छा हो पहले शराब के कहर से तड़प रहे गांवों के पंच-सरपंच और प्रमुख राजनीतिक कार्यकर्ताओं को निश्चित ही क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को बुलाकर जानकारी ले ली जाए कि अपराध कहां से चल रहा है। वैसे हिंदुस्तान की पुलिस जैसा बेचारा कोई नहीं। पुलिस सरकार की नहीं, पुलिस डीजीपी की भी नहीं, पुलिस जनसेवक भी नहीं। वह तो क्षेत्र के विधायक और सांसद की सेवक है। पंजाब में ही इसके उदाहरण तरनतारन, अमृतसर, पटियाला में कई जगह देखे गए। तरनतारन में तो एसएचओ दूसरे दिन ही बदला गया, क्योंकि विधायक को यह नाराजगी थी कि उन्हें सलाम ठोकने क्यों नहीं आया। ऐसी पुलिस अब अगर सस्पेंड की जा रही है या आबकारी अधिकारियों को सस्पेंड किया जा रहा है तो यह उनके साथ अन्याय है। यह ठीक है कि उन्हें अपनी ड्यूटी पूरी करनी चाहिए। राजनेताओं के इशारे की प्रतीक्षा नहीं। एक बार पुलिस और आबकारी विभाग से पूछा तो जाए कि उनकी क्या मजबूरी रही। मणिपुर की पुलिस अधिकारी वृंदा ने ताजा-ताजा उदाहरण दिया है। पंजाब के भी कुछ पुलिस ऑफिसर राजनीतिक दबाव में नहीं आए। अमृतसर के बीचोबीच एक अवैध शराब का ठेका धूमधाम से चल रहा था। डीटीसी यह उत्तर नहीं दे पाए कि ठेका किसके कहने से और क्यों बिना लाइसेंस भरे बाजार में खोल दिया गया है। सीधी बात यह कि जहां शराब पी जाएगी, पिलाई जाएगी वहां न शांति आएगी, न खुशहाली।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टाटा पावर का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 268 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली. टाटा पावर का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 268 करोड़ रुपये रहा। खर्च कम होने से कंपनी को लाभ हुआ है। टाटा पावर ने बुधवार को बीएसई को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में कंपनी को 243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय 6,540 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 7,874 करोड़ रुपये थी। कंपनी का कुल व्यय चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6,555 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में 7,228 करोड़ रुपये था। टाटा पावर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा, ''कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावूजद हमारा सभी व्यापार संकुल का प्रदर्शन अच्छा रहा। वर्ष 2025 तक स्वच्छ और हरित स्रोतों से 50 प्रतिशत उत्पादन हासिल कर हमारा मकसद कम कार्बन उत्सर्जन की दिशा में यात्रा जारी रखना और परिचालन के मामले में दक्षता का नया मानदंड स्थापित करना है।''

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिये प्रतिस्पर्धी उद्योग की जरूरत- प्रभु

नयी दिल्ली. पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने बुधवार को कहा कि घरेलू उद्योग को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनना चाहिये तथा देश को आत्मनिर्भर बनने में मदद करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि अधिकांश देश संरक्षणवादी नीतियां अपना रहे हैं और ऐसे में भारत को भी आत्मनिर्भर बनना होगा। उन्होंने कहा, ''आने वाले दिनों में, हमें विश्वास के साथ आगे बढ़ना होगा, क्योंकि आत्मनिर्भर भारत का कोई विकल्प नहीं है।'' उन्होंने कहा, यहां तक कि अमेरिका जैसी मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था भी संरक्षणवादी नीतियों को अपना रही हैं। उद्योग एवं वाणिज्य संगठन पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एक आभासी कार्यक्रम में उन्होंने कहा, ''हमारे उद्योगों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने की आवश्यकता है क्योंकि अधिक प्रतिस्पर्धा से हमारे उद्योगों की दक्षता में सुधार होगा। मेरा मानना है कि केवल प्रतिस्पर्धा से ही मदद मिलेगी।'' प्रभु ने कहा कि सरकार ने रोजगार के अवसरों के सृजन के साथ-साथ किसानों की आय दोगुनी करने के लिये कई नीतियां लागू की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को और समृद्ध बनाने के लिये 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया है।

नए टैरिफ प्लान नई सेवाएं नहीं हैं- वोडाफोन आइडिया

नयी दिल्ली. वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने 'तरजीही अनुभव के लिए अधिक भुगतान' पर आधारित अपने प्लान को सही ठहराते हुए कहा है कि उसे गलाकाट प्रतिस्पर्धा के बीच कॉल और डेटा शुल्क में लगातार कमी तथा निवेश करते रहने के दोहरे जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। वीआईएल के तरजीही प्लान पर भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के सवाल उठाने के बाद अपने जवाब में कंपनी दलील दी कि नए टैरिफ प्लान नए सेवाएं नहीं हैं। वीआईएल ने ट्राई के इस तर्क को नकारा कि उच्च गति की पेशकश करने वाली रेडएक्स योजना के बारे में अलग से सूचना देनी चाहिए ताकि उसके विभिन्न पहलुओं की जांच की जा सके। वीआईएल ने ट्राई को दिए अपने जवाब में कहा, ''यह एक नई सेवा नहीं है और सेवा पहले जैसी है... एक नया टैरिफ प्लान का अर्थ एक नई सेवा नहीं है।'' वोडाफोन ने उसके जैसे परिचालकों को पेश आ रही वित्तीय परेशानियों का जिक्र भी किया। कंपनी ने कहा कि वह कीमतों को कम करने के साथ ही नेटवर्क विस्तार के लिए लगातार निवेश करने की दोहरी मार का सामना करने को मजबूर है। वीआईएल द्वारा ट्राई को भेजे जवाब की एक प्रति पीटीआई-भाषा ने देखी है। इस संबंध में वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को भेजे गए ई-मेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है। वीआईएल ने नियामक से आग्रह किया कि वह निष्पक्ष रूप से किसी नतीजे तक पहुंचने के लिए कंपनी द्वारा उपलब्ध कराए गए सेवा गुणवत्ता और अन्य सामग्रियों पर ध्यान से विचार करे। वीआईएल ने कहा, ''टैरिफ प्लान का मकसद है कि ग्राहक कुल मिलाकर बेहतर अनुभव करें और हम सम्मानपूर्वक कहना चाहते हैं कि प्रश्न का प्रारंभ बिंदु यह नहीं हो सकता है- ग्राहकों को रेडएक्स चुनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह उपभोक्ताओं द्वारा साझा की गई भावना नहीं है।'' ट्राई ने कंपनी से पूछा था कि क्या गैर रेडएक्स (गैर-प्राथमिकता) ग्राहकों के लिए सेवाओं में कोई गिरावट आई है, जिससे उन्हें इंटरनेट तक पहुंच प्राप्त करने के लिए रेडएक्स योजना का चयन करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

कोविड-19 के बीच राहत, उद्योग-धंधे खुलने से जुलाई महीने में बढ़ी नौकरियां

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बीच उद्योग-धंधे खुलने से कर्मचारियों की भर्ती की गतिविधियों में बीते महीने जून की तुलना में थोड़ा सुधार हुआ है। कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मोदी सरकार ने मार्च में पूरे भारत देश में सम्पूर्ण लॉकडाउन लगा दिया था। जिसके वजह से आर्थिक गतिविधियों में काफी बुरी तरह से प्रभावित हुई थी। हालांकि अब अनलॉक की प्रक्रिया के शुरू होने के साथ उद्योग-धंधे खुलने लगे हैं जिससे कंपनियों ने कर्मचारियों की भर्ती करना शुरू कर दिया है। नौकरी डॉट कॉम के सर्वे की मानें तो जून की तुलना में जुलाई में हायरिंग एक्टिविटीज 5 फीसदी बढ़ी है। नौकरी डॉट कॉम के चीफ ऑफिसर पवन गोयल ने कहा जून की तुलना में जुलाई महीनें में हायरिंग एक्टिविटीज में थोड़ा सुधार हुआ है। लॉकडाउन की कई और पाबंदियों के हटने के बाद मीडिया/एंटरटेनमेंट रिक्रूटमेंट/एंप्लॉयमेंट और कंस्ट्रक्शन/इंजीनियरिंग जैसे इंडस्ट्रीज में अब महीने दर महीने के आधार पर भर्तियों के अच्छे संकेत मिल रहे हैं।

सालाना आधार पर आई गिरावट

इसके साथ ही उन्होनें कहा सालाना आधार पर जुलाई में हायरिंग एक्टिविटीज में 47 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, मेट्रो के बजाय उभरते शहरों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। महानगरों में यह गिरावट 50 फीसदी रही। मेट्रो में कोविड-19 के मामले बढ़ने से कुछ जगहों में बार-बार लॉकडाउन लगाया जा रहा है। जिससे मेट्रो शहरों में हायरिंग एक्टिविटीज में राष्ट्रीय औसत (-50त्न 1ह्य -47त्न) के मुकाबले ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। इस कड़ी में अन्य शहरों की बात करें तो चेन्नई में हायरिंग में गिरावट 55 फीसदी, मुंबई में 54 फीसदी और बेंगलुरु में 54 फीसदी रही। छोटे शहरों की बात करें तो चंडीगढ़ में हायरिंग एक्टिविटी में 28 फीसदी, जयपुर में 25 फीसदी और कोच्चि में 33 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। एंट्री लेवल एक्सपीरियंस बैंड्स में सबसे ज्यादा 51 फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

दूरसंचार कंपनियों का संपूर्ण डिजिटल नेटवर्क कंपनी के रूप में उभरना एक सकारात्मक संकेत : ट्राई प्रमुख

नयी दिल्ली,

दूरसंचार कंपनियां धीरे-धीरे खुद को एक संपूर्ण डिजिटल नेटवर्क कंपनी के रूप में परिवर्तित कर रही हैं। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन आर. एस. शर्मा इसे घर से कार्य, दूरस्थ शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी 'नयी जीवनशैली' के लिए एक अच्छा संकेत बताते हैं। कोविड-19 संकट के बीच चौबीसों घंटे कनेक्टिविटी बनाए रखने के लिए शर्मा ने दूरसंचार उद्योग को 'चमकता सितारा' बताया। उन्होंने कहा कि दूरसंचार सेवाएं अब लोगों के लिए अधिक अहम और अनिवार्य हो गयी हैं। यह उनके जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं और उन्हें उम्मीद है कि यह रुख आगे भी जारी रहेगा। शर्मा ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हमें इस संकट की स्थिति को बरबाद नहीं करना चाहिए, बल्कि हमें ज्ञान आधारित समाज और डिजिटल महाशक्ति बनने के लिए हमें इसका लाभ उठाना चाहिए। इसे देश को तेजी से 'डिजिटल इंडिया' में बदलने का मौका बनाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि बड़ी दूरसंचार कंपनियां कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस), बिग डेटा और मशीन लर्निंग जैसी नयी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही हैं। यह सेवा को बेहतर बनाने और संसाधनों का युक्तिसंगत उपयोग करने के लिए महत्वपूर्ण है। शर्मा ने कहा, ''मेरा मानना है कि दूरसंचार कंपनियां डिजिटल नेटवर्क कंपनियां बनने की दिशा में भी आगे बढ़ेंगी और कई अन्य सेवाएं भी उपलब्ध कराएंगी। इस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं।'' उन्होंने कहा, '' मैं इसे एक बेहद सकारात्मक घटनाक्रम मानता हूं, क्योंकि आखिर में घर से कार्य, डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल नेटवर्क, टेलीमेडिसिन और दूरस्थ शिक्षा को हमें अपनी नयी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।'' शर्मा ने कहा कि दूरसंचार कंपनियां अब मुख्य तौर पर वॉयस कॉल से इंटरनेट सेवा देने की ओर रुख कर चुकी है।

ऐसे में जब बात इंटरनेट की खपत करने वाले डेटा और डिजिटल ऐप्लिकेशन की होगी तो दूरसंचार कंपनियों को भी उस दिशा में जाना होगा।

सीआईएल ने कोयला परिवहन के लिए रेल भाड़ा कम करने की मांग की

नयी दिल्ली,

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने बुधवार को कहा कि उसने खदानों से 701 से 1,400 किलोमीटर तक की दूरी वाले घरेलू ग्राहकों को कोयला पहुंचाने के लिए भारतीय रेलवे से भाड़े में 15 प्रतिशत छूट मांगी है। सीआईएल ने एक बयान में कहा कि इस कदम का मकसद ग्राहक आधार बढ़ाना और आयात प्रतिस्थापन योजना के तहत नए ग्राहकों को जोड़ना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''माल ढुलाई रियायत का विस्तार 701 से 1,400 किलोमीटर तक के ग्राहकों के लिए करने से कोयला मंगाने की लागत में कमी होने के चलते विदेशों से आयातित कोयले की जगह घरेलू खरीद में इजाफा होगा।'' सीआईएल से जुड़े 126 कोयला आधारित ताप संयंत्रों में 14 संयंत्र 1,400 से अधिक दूरी पर स्थित हैं और उन्हें इस समय माल ढुलाई रियायत का लाभ मिलता है। बयान में कहा गया कि सीआईएल ने आयात प्रतिस्थापन योजना के दायरे में अधिक ग्राहकों को लाने के लिए रेलवे से दूरी आधारित माल रियायत देने के लिए कहा। सीआईएल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत कोयला जी9 से जी12 श्रेणी का होता है और ऐसे में खपत बिंदु तक पहुंचे में कोयले की कुल लागत का 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ भाड़े का होता है। रेलवे से माल ढुलाई के लिए 701 किमी से अधिक दूरी होने पर लागत बढ़ जाती है और यदि इस सीमा में आने वाले ग्राहकों को ढुलाई में रियायत दी जाए तो उनके लिए आयातित कोयला लेने की जगह घरेलू आपूर्ति बढ़ाना फायदेमंद होगा। बयान में कहा गया कि यह अनुरोध लौह अयस्क को दिए जा रहे लाभ के अनुरूप है।

सेंसेक्स में चार दिन से जारी तेजी पर लगा विराम, दोनों सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

बीएसई सेंसेक्स में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी तेजी पर बुधवार को विराम लग गया। सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 38,125.81 तक गिर गया था। यह अंत में 37.38 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 38,369.63 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 14.10 अंक यानी 0.12 प्रतिशत टूटकर 11,308.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान कोटक बैंक को हुआ। इसमें 2.10 प्रतिशत की गिरावट आयी। इसके अलावा, जिन अन्य प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एल एंड टी, बजाज फाइनेंस, एचयूएल और टाइटन शामिल हैं। दूसरी तरफ एचसीएल टेक, एसबीआई, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्रा टैक सीमेंट में 4.86 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गयी। कारोबारियों के अनुसार कमजोर वृहत आर्थिक आंकड़े और कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को लेकर बाजार धारणा प्रभावित हुई। सरकार के मंगलवार को जारी आकंड़े के अनुसार कोराना वायरस संकट के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने से देश का औद्योगिक उत्पादन जून महीने में 16.6 प्रतिशत घट गया। इस बीच, वैश्विक स्तर पर कोविड-19 संक्रमण के मामलों की संख्या 2.02 करोड़ को पार कर गयी। वहीं भारत में संक्रमण के मामले 23 लाख से ऊपर हो गए हैं। रेलिगेयर के उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा वित्तीय कंपनियों कोष जुटाने को मिली उत्साहजनक प्रतिक्रिया से निवेशकों की धारणा बैंक शेयरों के प्रति मजबूत हुई है...इससे मानक सूचकांक उच्च स्तर पर

कायम रहा। जिन क्षेत्रों में हाल में तेजी आयी थी, वहां थोड़ी नरमी रही। उन्होंने कहा चूंकि हम व्यापक रूप से वैश्विक बाजारों को देखते हैं, ऐसे में प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा के मामले में आगे की गतिविधियां और अमेरिका-चीन के बीच व्यापार तनाव पर निवेशकों की नजर होगी। कारोबारियों को शेयरों के चयन पर ध्यान रखना चाहिए क्योंकि हम अभी भी विभिन्न क्षेत्रों में अवसर देख रहे हैं। दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में चीन में हांगकांग, जापान का तोक्यो और दक्षिण कोरिया का सोल लाभ के साथ बंद हुए जकि चीन का शंघाई नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में बढ़त दर्ज की गयी। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 प्रतिशत मजबूत होकर 45.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इधर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 5 पैसे टूटकर 74.83 पर बंद हुआ।

अल्ट्रटिक सीमेंट 2020-21 में करेगी 1,500 करोड़ रुपये पूंजी व्यय

मुंबई,

अल्ट्राटेक सीमेंट के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बुधवार को कहा कि कंपनी की वित्त वर्ष 2020-21 में 1,500 करोड़ रुपये के पूंजी व्यय की योजना है। उन्होंने ऑनलाइन सालाना आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि कंपनी ने अपनी मौजूदा क्षमता भी 11.48 करोड़ टन से बढ़ाकर 11.8 करोड़ टन करने का लक्ष्य रखा है। विभिन्न कारोबार से जुड़े आदित्य बिड़ला समूह की अगुवाई कर रहे बिड़ला ने कहा कि उथल-पुथल के दौरान में 'चैंपियन' निखर कर आते हैं। कंपनी के पास क्षमता, नेतृत्व और मजबूत बही खाता है, जिससे वह भी संकट के बाद और बेहतर रूप से उभरेगी। उन्होंने शेयरधारकों को सूचित किया, ''आपकी कंपनी ने 1,500 करोड़ रुपये के पूंजी व्यय की योजना बनायी है। यह निवेश विभिन्न योजनाओं को अमल में लाने के लिये किये जाएंगे।'' बिड़ला ने कहा कि इसमें बेकार जाने वाली ऊष्मा को प्राप्त करने के लिये (डब्ल्यूएचआरएस) 66 मेगावाट क्षमता की इकाई, पश्चिम बंगाल और बिहार में 12 लाख सालाना क्षमता का इजाफा, उत्तर प्रदेश में बारा ग्राइंडिंग इकाई के दूसरे चरण के लंबित कार्यों को क्रियान्वित करना, मध्य प्रदेश में कोयला ब्लॉक का विकास शामिल हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट के चेयरमैन ने कहा कि सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 11.8 करोड़ टन सालाना और हरित ऊर्जा क्षमता डब्ल्यूएचआरएस के लिये बढ़ाकर 185 मेगावाट और सौर तथा पवन ऊर्जा के लिये 350 मेगावाट की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिये 'लॉकडाउन' के कारण कंपनी का कामकाज अस्थायी तौर पर प्रभावित हुआ। लेकिन हम जल्दी ही मानक परिचालन प्रक्रिया के साथ कामकाज शुरू करने में सफल रहे। बिड़ला ने कहा, ''वित्त वर्ष 2020-21 चुनौतीपूर्ण है। वृद्धि अगले वित्त वर्ष 2021-22 में आएगी और यह 6 से 8 प्रतिशत के बीच रह सकती है।''

UltraTech CEMENT The Engineer's Choice

निजी रेलगाड़ी चलाने को लेकर हुई बैठक में बॉम्बार्डियर, एल्स्टॉम समेत 23 कंपनियां शामिल हुईं: रेलवे

नयी दिल्ली, भारत में निजी रेलगाड़ियों के परिचालन में बॉम्बार्डियर, एल्सटॉम, सीमेंस और जीएमआर सहित 23 कंपनियों ने रुचि दिखायी है। रेलवे ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। रेलवे ने कहा कि इन कंपनियों ने आवेदन प्रक्रिया से पूर्व बुधवार को इस संबंध में हुई एक बैठक में हिस्सा लिया। बारह खंडों में निजी रेलगाड़ियां चलाने को लेकर हुई इस बैठक में बीईएमएल, आईआरसीटीसी, भेल, सीएएफ, मेधा ग्रुप, स्टरलाइट, भारत फोर्ज, जेकेबी इंफ्रास्ट्रक्चर और तीतागढ़ वैगन्स लिमिटेड भी शामिल हुईं। रेलवे ने 151 आधुनिक रेलगाड़ियों (रेक) के माध्यम से 109 मार्गों पर यात्री सेवा के परिचालन में निजी भागीदारी के लिये अनुरोध आमंत्रित किये हैं। ये नयी रेलगाड़ियां नेटवर्क पर पहले से चल रही रेलगाड़ियों के अतिरिक्त होंगी। रेलवे नेटवर्क पर यात्री रेलगाड़ियां चलाने के लिये निजी निवेश की यह पहली पहल है। इस परियोजना से लगभग 30 हजार करोड़ रुपये का निजी निवेश प्राप्त होने का अनुमान है।

कोविड-19 की मार पर्यटन क्षेत्र पर, Tourism कंपनियों ने सरकार से की तत्काल कदम उठाने की मांग

नई दिल्ली: पर्यटन व आतिथ्य सत्कार क्षेत्र की कंपनियों ने कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित इस क्षेत्र को उबारने के लिये सरकार से तत्काल कदम उठाने की बुधवार को मांग की। पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य क्षेत्र के 10 संगठनों के राष्ट्रीय महासंघ 'फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटलिटी (फेथ)' व उसके सदस्य संगठनों के प्रतिनिधियों ने पर्यटन मंत्रालय के साथ एक बैठक में क्षेत्र को उबारने की विविध चरणों की रणनीतियां साझा की। फेथ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (परामर्श) आशीष गुप्ता ने कहा फेथ को उम्मीद है कि भारतीय पर्यटन उद्योग को शीघ्रता से पटरी पर लाने को लेकर पर्यटन क्षेत्र के लिये मांग सृजन और आपूर्ति संरक्षण के उपायों को तत्काल लागू किया जायेगा। बयान में कहा गया कि संगठनय ने एक दोहरी कार्य बल रणनीति का भी प्रस्ताव किया। इसके तहत पर्यटन क्षेत्र को उबारने के लिये केंद्र सरकार के स्तर पर विभिन्न मंत्रालयों के एक कार्य बल और दूसरे स्तर पर विभिन्न राज्यों के एक कार्य बल का प्रस्ताव किया गया। फेथ ने अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों के लिये नवंबर के पहले या चौथे सप्ताह में 'इंडियन टूरिज्म मार्ट' आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा, ताकि भारतीय पर्यटन उत्पादों का प्रदर्शन किया जा सके और भरोसा बनाया जा सके। इसके अलावा फेथ ने रिजर्व बैंक के द्वारा समाधान योजना बनाये जाने तक पर्यटन व आतिथ्य सत्कार कंपनियों के लिये कर्ज की किस्तें चुकाने से छूट की अवधि को बढ़ाने का भी प्रस्ताव दिया। संगठन ने सभी पर्यटन परिवहन व टूर ऑपरेटर परमिट, शराब लाइसेंस तथा अन्य मंजूरियों को स्वतः विस्तार दिये जाने की भी मांग की। बयान में कहा गया कि दिल्ली में होटलों को पुनः खोलने की मंजूरी दिये जाने की भी मांग की गयी।

फेसबुक ने कहा, बाहरी ऑडिटर कंटेंट रिव्यू रिपोर्ट का आकलन करें

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक अपनी 'सामुदायिक मानक प्रवर्तन रिपोर्ट' का बाहरी ऑडिटरों से स्वतंत्र सत्यापन कराएगी। फेसबुक की यह रिपोर्ट उसकी कंटेंट नीति के अनुपालन और उससे जुड़े आंकड़ों को दिखाती है। अमेरिकी कंपनी फेसबुक ने ऐसी पहली रिपोर्ट मई 2018 में पेश की थी। इसका मकसद कंपनी के सामुदायिक मानकों का उल्लंघन करने वाले छह प्रकार के कंटेंट (फेसबुक पर डाली जाने वाली पोस्ट, फोटो, वीडियो इत्यादि) पर नजर रखना है। कंपनी की यही नीति बताती है कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर क्या पोस्ट किया जा सकता है। वर्तमान में कंपनी फेसबुक पर 12 और इंस्टाग्राम पर 10 तरह के उल्लंघन पर नजर रखती है। इसमें किसी को ऑनलाइन धमकाना या परेशान करना, नफरत फैलाने वाले भाषण, आतंकवादी संगठन या गतिविधियों में संलिप्त होना और संगठित घृणा और हिंसक कंटेंट इत्यादि शामिल हैं। फेसबुक के प्रौद्योगिकी कार्यक्रम प्रबंधक (प्रमाणिकता) विश्वनाथ सारंग ने कहा कि पूर्व के सालों में कंपनी अपनी इस रिपोर्ट का आंतरिक ऑडिट कराती रही है ताकि सामुदायिक मानकों के उल्लंघन पर की जाने वाली रिपोर्टों का अधिक प्रभावी आकलन कर सके। उन्होंने कहा कि इस हफ्ते कंपनी ने बाहरी ऑडिटरों से स्वतंत्र सत्यापन कराने के लिए उनके प्रस्ताव मंगाए हैं। कंपनी को यह ऑडिट 2021 में शुरू होने की उम्मीद है।

facebook

औद्योगिक उत्पादन के कमजोर आंकड़े से डॉलर के मुकाबले रुपया पांच पैसे टूटा

मुंबई, औद्योगिक उत्पादन के कमजोर आंकड़े तथा शेयर बाजार में गिरावट के बीच विदेशी विनिमय बाजार में बुधवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया पांच पैसे की हानि के साथ 74.83 पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन के कमजोर आंकड़े तथा शेयर बाजार में सुस्ती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जबकि विदेशी निधियों के सतत निवेश के कारण रुपये को बल मिला। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.83 प्रति डालर पर स्थिर खुला। कारोबार के अंत में रुपये की विनिमय दर पांच पैसे की हानि के साथ 74.78 रुपये प्रति डालर पर टिकी। कारोबार के दौरान रुपये में 74.77 (उच्च स्तर) और 74.93 (निम्न स्तर) के बीच घट बढ़ हुई। भारत का औद्योगिक उत्पादन जून में सालाना आधार पर 16.6 प्रतिशत घट गया। कोरोना वायरस महामारी का संक्रमण बढ़ने के बाद सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों में व्यवधान के चलते उत्पादन प्रभावित हुआ है। इससे पूर्व के कारोबारी सत्र में रुपया 74.90 रुपये पर बंद हुआ था। तीस शेयरों पर आधारित बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स भी चार सत्रों की तेजी के बाद कारोबार के अंत में 37.38 अंक की गिरावट के साथ 38,369.63 अंक पर बंद हुआ। एक्सचेंज के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को 1,013.66 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीद की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोविड-19 के कारण 2022 सीडब्ल्यूजी विलेज योजना खत्म

लंदन । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के आयोजकों ने सिंगल एथलीट विलेज योजना को समाप्त करने का फैसला किया है। आयोजकों ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ऐसा पाया गया कि कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे समय पर तैयार नहीं किया जा सकता। नए परिसर मॉडल के अनुसार 1600 खिलाड़ियों और अधिकारियों को एनईसी होटल परिसर और 1900 लोगों को वार्विक विश्वविद्यालय में रखा जाएगा। आयोजकों ने एक बयान में कहा, वैश्विक महामारी के प्रभाव की समीक्षा करने के बाद शहर के पैरी बार क्षेत्र में एक स्थान पर ही खेल गांव का निर्माण नहीं करने का फैसला किया गया जबकि खेलों के आयोजन में दो साल से कुछ कम का समय बचा है। बयान के अनुसार, खिलाड़ियों और अधिकारियों को बर्मिंघम विश्वविद्यालय, वारविक विश्वविद्यालय और द एनईसी होटल परिसर में तीन अलग स्थानों पर रखा जाएगा। बर्मिंघम 2022 खेलों के लिए रहने के स्थान का तीन परिसर का मॉडल खेलों के 77 करोड़ 80 लाख पाउंड के बजट में ही तैयार किया जाएगा। खेलों का आयोजन समय पर होगा।

सेरेना विलियम्स ने टॉप सीड ओपन में मुश्किल से जीता मैच

वाशिंगटन .

पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को लेक्सिंगटन में एक कड़ी परीक्षा से बच गई जब वह बर्नार्डा पेरा से पहला सेट हार गई। लेकिन इसके बाद उन्होंने मजबूती से वापसी की और मैच 4-6, 6-4, 6-1 से जीत लिया। मैच के बाद सेरेना ने कहा- यहां वास्तव में शांत माहौल था, सर्द भी बहुत है। मैं यह नहीं कह सकती कि मैं इसे नापसंद करती हूं। यह बस अलग है। मैं अपने करियर में बहुत सारी चीजों से गुजरी हूं। मुझे लगता है कि मैं जो आज जीती हूं वह वास्तव में आगे मदद करेगा। विलियम्स ने अपना पहला मैच संयुक्त राज्य अमेरिका को लातविया में फेड कप की जीत में नेतृत्व करने में मदद करने के बाद से खेला था, और जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उसका पहला टूर्नामेंट था, मार्च के शुरू में कोविड-19 महामारी के कारण कई टूर्नामेंट रद्द हो गए थे। 23 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने सेंटर कोर्ट पर दो घंटे और 16 मिनट के बाद पेरा को हराने के बाद कहा- मैं सिर्फ इतना जानती थी कि मुझे बेहतर करने की जरूरत है। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं। पारा अच्छा खेली। मैं इस बात से खुश थी कि वह अच्छी प्रतिस्पर्धी थी। मुझे नहीं पता कि मुझे काम करने की कितनी आवश्यकता है क्योंकि मैं लगातार अभ्यास कर रही हूं।

चेन्नइयन एफसी ने एली सेबिया के अनुबंध को आगे बढ़ाया

चेन्नई।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की मौजूदा उपविजेता चेन्नइयन एफसी ने ब्राजील के डिफेंडर एली सेबिया के अनुबंध को 2020-21 सीजन तक के लिए बढ़ाने की बुधवार को घोषणा की। 31 साल के सेबिया ने पिछले सीजन में चेन्नइयन एफसी के 21 मैचों में से 19 में शुरूआती एकादश में जगह बनाई थी और टीम ने लगातार आठ मैचों में अजेय रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। उन्होंने साथ ही एफसी गोवा के खिलाफ सेमीफाइनल के पहले लेग में 4-1 की जीत में अहम योगदान दिया था और एक गोल तथा एक असिस्ट किया था।सेबिया ने ब्राजील से कहा, चेन्नइयन एफसी के साथ जुड़े रहने को लेकर मिली खुशी को मैं शब्दों को बयां नहीं कर सकता। मेरे परिवार और मुझे क्लब, प्रशंसकों और चेन्नई शहर से जो प्यार मिला है उसकी बराबरी नहीं की जा सकती। पिछले सीजन में हम फाइनल में हार गए थे। नए सीजन में हम चेन्नई को तीसरा आईएसएल खिताब दिलाने की नई उम्मीद और प्रतिबद्धता के साथ उतरेंगे। सेबिया ने दो बार की चैंपियन चेन्नइयन एफसी की ओर से सभी प्रतियोगिताओं में 59 मैच खेले हैं और आगामी सीजन टीम के साथ उनका चौथा सीजन होगा।

इतने लंबे समय तक क्रिकेट से कभी दूर नहीं रहा : टेलर

त्रिनिदाद । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर ने कहा है कि अपने स्कूल के दिनों के बाद से वह इतने लंबे समय तक कभी क्रिकेट से दूर नहीं रहे हैं। पिछले महीने ही न्यूजीलैंड की पहली ट्रेनिंग कैम्प से जुड़े टेलर ने माना कि इस मुश्किल समय में हर किसी की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। टेलर ने क्रिकइंफो से कहा, हां, सब कुछ अजीब है। जब मैं हाई स्कूल में था, उसके बाद से इतने लंबे समय तक क्रिकेट से दूर कभी नहीं रहा। पृथकवास और यह अब अटपटा है लेकिन जो है, सो है। टेलर इस समय त्रिनिदाद में हैं, जहां वह कैरेबियाई प्रीमियर लीग खेलने के लिए गए हैं। लीग का आयोजन 18 अगस्त से 20 सितंबर तक होना है। टेलर इस सीजन में गुयाना अमेजन वॉरियर्स की ओर से खेलेंगे। उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि सीपीएल में यह हर किसी के लिए अजीब होने वाला है। किसी ने भी कुछ समय के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। मुझे यकीन है हर कोई परेशान होने वाला है। इसलिए, प्रशिक्षण और शुरूआती मैच बहुत महत्वपूर्ण हैं। टेलर ने कहा, टी 20 क्रिकेट हमें खचाखच भरे स्टेडियमों में खेलने की आदत है। खाली मैदान पर खेलना भी अजीब है लेकिन अब इसकी आदत डालनी होगी।

टी-20 विश्व कप के बाद महिला क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वापसी

दुबई ।

इसी साल की शुरुआत में हुए टी-20 विश्व कप के बाद से बुधवार को पहली बार महिला क्रिकेट की आस्ट्रिया और जर्मनी के बीच होने वाले मैच से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वापसी हुई है। दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जानी है। कोविड-19 के कारण सभी तरह की महिला क्रिकेट रुक गई थी, लेकिन बुधवार को सात महीने के बाद टी-20 क्रिकेट की वापसी हुई। आईसीसी की महिला टी-20 रैंकिंग में 27वें स्थान पर काबिज जर्मनी 50वीं रैंकिंग वाली आस्ट्रिया के खिलाफ अंक लेकर रैंकिंग में आगे बढ़ना चाहेगी। जर्मनी ने फरवरी में ओमान के खिलाफ टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज खेली थी जिसमें 4-0 से जीत हासिल की थी। वहीं आस्ट्रिया की यह एक साल बाद पहली सीरीज होगी। उसने एक साल पहले चतुष्कोणिय सीरीज में फ्रांस, जर्सी और नॉर्वे के साथ सीरीज खेली थी। जर्मनी की कप्तान अनुराधा डोडाबल्लापुर ने कहा, सबसे पहले मैं आस्ट्रिया क्रिकेट का इस मुश्किल हालात के वाबजूद हमारी मेजबानी के लिए शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। हम लंबे ब्रेक के बाद दोबारा मैदान पर उतरने को लेकर उत्साहित हैं।वहीं आस्ट्रिया की कप्तान माए जेपेडा ने कहा, टीम काफी उत्साहित हैं और कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन के कारण मिले लंबे ब्रेक के बाद हम प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, कुछ टीमें यातायात पाबंदियों के कारण इसमें हिस्सा नहीं ले सकतीं, लेकिन हम इस बात से खुश हैं कि इस तरह की पाबंदियां आस्ट्रिया और जर्मनी के बीच हल्की हैं और इस साल हम कुछ अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट खेल पा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

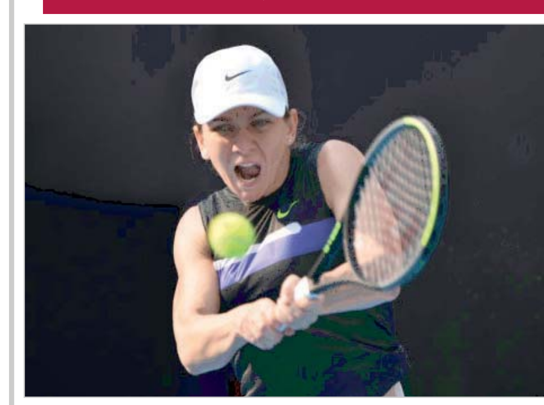

टेनिस : प्राग ओपन के दूसरे दौर में पहुंची हालेप और मार्टिक

प्राग । रोमानिया की महिला टेनिस खिलाड़ी सिमोना हालेप को प्राग ओपन के पहले दौर में जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा लेकिन वह स्लोवेनिया की पोलोना हारकोग को 6-1, 1-6, 7-6 (3) से मात देकर दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहीं। तकरीन ढाई घंटे तक चले मैच में हालेप को जीत के लिए सात मैच प्वाइंट चाहिए थे। दोनों खिलाड़ियों ने 29 विनर्स लगाए। डब्ल्यूटीए की वेबसाइट ने हालेप के हवाले से लिखा है, मैं जानती थी कि यह मुश्किल मैच होने वाला है। हमारे सभी मैच काफी लंबे और मुश्किल रहे हैं। वह मुझे काफी अच्छे से जानती हैं, हम जूनियर्स में साथ खेले हैं। नंबर-2 सीड पेट्रा मार्टिक ने एक घंटे 50 मिनट तक चले मैच में वारवारा ग्राचेवा को 7-6(2), 6-3 से हरा दिया। मार्टिक ने मंगलवार को खेले गए मैच में मेडिकल टाइम आउट लिया और अंत में मैच अपने नाम करने में सफल रहीं। मैच के बाद मार्टिक ने कहा, यह आसान नहीं था, खासकर पहला सेट। दुर्भाग्यवश अच्छी सर्विस नहीं कर सकी लेकिन मैं इस बात से खुश हूं कि टाई ब्रेक में मेरे खेल का स्तर ऊपर उठा।

शाकिब विश्व स्तर के खिलाड़ी, लय में जल्दी लौटेंगे : डोमिंगो

ढाका । बांग्लादेश के मुख्य कोच रसेल डोमिंगो को भरोसा है कि शाकिब अल हसन एक बार जब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे तो उन्हें लय में आने में समय नहीं लगेगा। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण दो साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, शाकिब का प्रतिबंध 29 अक्टूबर को खत्म हो रहा है और वह इसके तुरंत बाद बांग्लादेश टीम में वापसी कर सकते हैं। बांग्लादेश का श्रीलंका दौरा लगभग तय है और शाकिब का इस तीन मैचों की टी-20 सीरीज में खेलना तय है। वेबसाइट ने डोमिंगो के हवाले से लिखा है, हमें उम्मीद है कि हमारे सभी खिलाड़ी फिट हैं। हां फिटनेस को लेकर उनको कुछ पैमाने मानने होंगे। हमें शाकिब के लिए कुछ गेम टाइम का इंतजाम करना होगा, साथ ही बाकी खिलाड़ियों के लिए भी। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बिना किसी तरह का क्रिकेट के वापसी करना मुश्किल है। मुझे लगता है कि हमें उनके लिए कुछ मैच के मौके बनाने होंगे। वह विश्व स्तर के खिलाड़ी हैं और लय में जल्दी वापसी करेंगे, लेकिन फिटनेस एक अहम चीज है।

टेनिस : वीनस ने अजारेंका को किया बाहर, सेरेना से भिड़ेंगी

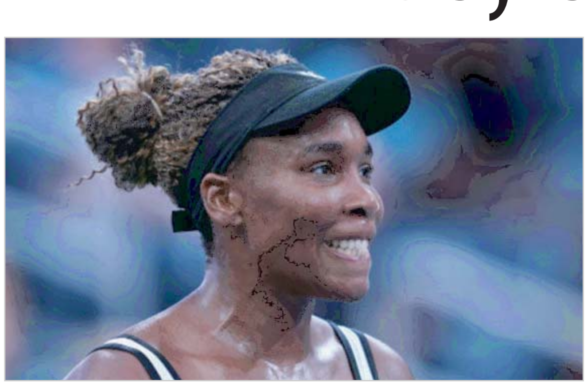

लेक्सिंगटन ।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने टॉप सीड ओपन के पहले दौर में विक्टोरियो अजारेंका को सीधे सेटों में हरा दिया। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने अजारेंका को मंगलवार को खेले गए मैच इमें 80 मिनट में 6-3, 6-2 से हरा दिया। इसी के साथ अजारेंका पर उन्होंने अपनी छठी जीत दर्ज की, अजारेंका सिर्फ दो बार की अमेरिकी खिलाड़ी को हरा पाई हैं। वीनस के सामने अब 23 बार की ग्रैंड स्लैम विजेता उनकी बहन सेरेना होंगी।

सेरेना ने अमेरिका का बनार्डा पेरा को तीन सेटों क चले मैच में 4-6, 6-4, 6-2 से हरा दिया।डब्ल्यूटीए ने वीनस के हवाले से लिखा है, एक ग्रैंड स्लैम विजेता, पूर्व विश्व नंबर-1 से दूसरी तक। यह मेरे लिए काफी मुश्किल ड्रॉ रहा है, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे लिए बिल्कुल ठीक है क्योंकि मैं हमेशा नहीं खेल सकती इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलना चाहती हूं। मुझे लगता कि सेरेना के खिलाफ खेलने की मेरी ख्वाहिश पूरी हो गई। दोनों बहनों के बीचे खेले गए मुकाबले में सेरेना 18-12 से आगे हैं।

कोविड-19 पॉजिटिव सभी हॉकी खिलाड़ी अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोविड-19 पॉजिटिव निकले सभी छह खिलाड़ियों को बेंगलुरू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने बुधवार सुबह इस बात की जानकारी दी। इससे पहले, मनदीप को सोमवार रात को ऑक्सीजन स्तर में कमी होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। साई ने सावधानी के लिहाज से कप्तान मनप्रीत सिंह, जसकरण सिंह, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार और कृष्णा बी पाठक को एसएस स्पर्श में भर्ती कराया गया है। यहीं मनदीप भर्ती हैं। साई ने कहा, खिलाड़ियों को अस्पताल में भर्ती कराने का फैसला इसलिए लिया गया है ताकि खिलाड़ियों की पूरे समय देखभाल की जा सके और अच्छे से अच्छे ईलाज किया जा सके। साई ने बताया कि सभी खिलाड़ियों का स्वास्थ अच्छा है और सभी अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। साई के बेंगलुरू केंद्र में चार अगस्त को राष्ट्रीय शिविर के लिए एकत्रित हुए खिलाड़ियों का कोविड-19 पॉजिटिव टेस्ट कराया गया था जिसमें यह खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए।

एफसी गोवा ने स्पेनिश डिफेंडर गोंजालेज के साथ किया करार

पणजी। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइजी एफसी गोवा ने स्पेन के डिफेंडर इवान गोंजालेज के साथ स्थाई करार की औपचारिकता पूरी करने की मंगलवार को घोषणा की।गोंजालेज ने कल्चरल लियोनेसा के साथ अनुबंध खत्म करके एफसी गोवा के साथ करार किया है। एफसी गोवा के साथ गोंजालेज ने दो साल का अनुबंध किया है।गोंजालेज ने कहा, मैं वास्तव में यहां आकर खुश हूं। यह बहुत अच्छा मौका है। परियोजना वास्तव में आकर्षक थी और कुछ वर्षों के अंतराल में, क्लब भारत में एक बड़ा नाम बन गया है। यह मेरे लिए अपने करियर के साथ आगे बढ़ने का एक शानदार मौका है। उन्होंने कहा, मेरे पास सिर्फ एक डिफेंडर होने की तुलना में अधिक पेशकश है। मैं बेशक, डिफेंड करता हूं, लेकिन मुझे गेंद से खेलना और बैक से मैच बनाना पसंद है। मुझे लगता है कि मैं यहां कुछ अच्छा हूं।गोंजालेज इससे पहले स्पेनिश क्लब रिल मेड्रिड से भी जुड़े चुके हैं।

हॉकी टीमें 19 अगस्त से बेंगलुरू के साई सेंटर में अभ्यास करेगी

नई दिल्ली।

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें आगामी 19 अगस्त से बेंगलुरू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) में अभ्यास करेंगी।साई ने बुधवार को एक बयान जारी इसकी जानकारी दी। खिलाड़ियों को चार अगस्त को परिसर में रिपोर्ट करने लिए कहा गया था। साई ने कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के मुख्य कोच और कोर संभावितों सहित सभी हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा करने और सभी एथलीटों की सुरक्षा और कल्याण को अत्यधिक प्राथमिकता देने के बाद लिया गया। छह पुरुष खिलाड़ियों के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बावजूद कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोविड-19 पॉजिटिव निकले सभी छह खिलाड़ियों- स्ट्राइकर मंदीप सिंह, कप्तान मनप्रीत सिंह, जसकरन सिंह, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार और कृष्णन बी पाठक को बेंगलुरू के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, खिलाड़ी क्वारंटाइन में थे और कैम्पस में ही उनका इलाज चल रहा था। अब ये खिलाड़ी पूरी तरह से ठीक होने और क्वारंटाइन अवधि पूरा करने के बाद ही टीम से जुड़ेंगे। इस बीच, महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा है कि टीम खुश है और सुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने कहा, अभ्यास की शुरूआत को लेकर सभी खिलाड़ियों से बात की है और उनसे सकारात्मक जवाब मिला है। हम इस सुरक्षित वातावरण में टीम की फिटनेस पर काम करने को लेकर उत्साहित हैं। पुरुष टीम के कोच ग्राहम रीड ने कहा, यह जानना अच्छा है कि हर कोई अपने स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है और सुरक्षा हमारी सामूहिक प्राथमिकता है। हम उन छह खिलाड़ियों के लगातार संपर्क में है, जो कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। हम उनके जल्दी ठीक होने की उम्मीद कर रहे हैं। एक बार इससे उबरने और क्वारंटाइन प्रोटोकॉल का पालन करने के बाद, हम उन्हें अपने साथ वापस शामिल करने के लिए तत्पर हैं।

आईपीएल-13 : राजस्थान रॉयल्स के फील्डिंग कोच कोविड-19 पॉजिटिव

नई दिल्ली । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के फील्डिंग कोच दिशांत याज्ञनिक कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। फ्रेंचाइजी ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी। टीम को अगले सप्ताह मुंबई में इकट्ठा होना था जहां से वो संयुक्त अरब अमिरात (यूएई) से रावाना होनी हैं। इससे पहले यह टेस्ट कराया गया था जिसमें याज्ञनिक पॉजिटिव पाए गए थे। यूएई में 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच आईपीएल खेला जाना है। याज्ञनिक इस समय अपने गृहनगर उदयपुर में हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती होने और 14 दिन क्वारंनटीन होने की सलाह दी गई है। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में लिखा, बीसीसीआई के नियम के मुताबिक, 14 दिन के बाद दिशांत के दो कोविड टेस्ट और किए जाएंगे। दो निगेटिव रिपोर्ट आने पर वह टीम से जुड़ सकते हैं लेकिन इससे पहले उन्हें यूएई जाने पर छह दिन आइसोलेशन में रहना होगा और तीसरे निगेटिव टेस्ट का इंतजार करना होगा। फ्रेंचाइजी ने अपील करते हुए उन लोगों से आइसोलेशन में रहने और कोविड-19 टेस्ट कराने को कहा है जो बीते 10 दिनों में याज्ञनिक के संपर्क में आए थे। फ्रेंचाइजी ने बयान में लिखा, हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि राजस्थान रॉयल्स और आईपीएल की किसी भी फ्रेंचाइजी का कोई खिलाड़ी बीते 10 दिनों में याज्ञनिक के संपर्क में नहीं आया है। हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्दी यूएई में टीम के साथ जुड़ेंगे।

गहलोत की तुलना में सचिन पायलट कमजोर खिलाड़ी साबित हुए : शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को कहा कि राजस्थान में ऑपरेशन लोटस की विफलता राजनीतिक घमंड की हार है। शिवसेना की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कुछ दिन पहले ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सचिन पायलट की बैठक के बाद राजस्थान में राजनीतिक संकट के मैत्रिपूर्ण समाधन के संकेत मिले हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ऑपरेशन लोटस का ही ऑपरेशन करके भाजपा को सबक सिखाने का काम किया है। ऑपरेशन लोटस भाजपा द्वारा अन्य पार्टियों में कथित तौर पर दलबदल कराने की कोशिश है। शिवसेना ने चुटकी लेते हुए कहा, महाराष्ट्र में तड़के किया गया यह ऑपरेशन विफल हो चुका है। कम से कम अब तो भाजपा को इससे सबक लेनी चाहिए। कुछ फर्जी डॉक्टरों द्वारा महाराष्ट्र में ऑपरेशन करने की नई तारीख अब सितंबर में है। मुखपत्र में प्रत्यक्ष तौर पर पिछले साल राजभवन में तड़के जल्दबाजी में आयोजित शपथग्रहण समारोह का हवाला दिया गया है। शिवसेना और भाजपा के बीच मुख्यमंत्री पद की साझेदारी को लेकर एकमत नहीं बनने पर गठबंधन से शिवसेना बाहर हो गई थी। इस समारोह में भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शिवसेना ने बाद में राकांपा और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र में सरकार का गठन किया। शिवसेना ने भाजपा पर आरोप लगाया कि जहां उसकी सरकार नहीं है, वहां वह राज्यों में सरकारों को अस्थिर करने में इस कदर व्यस्त है कि जैसे देश के सामने दूसरी कोई परेशानियां ही नहीं है। मुखपत्र में यह कहा गया, कोरोना वायरस महामारी के जाने का कोई संकेत नहीं है। बेरोजगारी बढ़ रही है और अर्थव्यवस्था रसातल में है। इन सभी को पटरी पर लाने के बजाय भाजपा दूसरे राज्यों की सरकारों को गिराने में व्यस्त है। क्या यह राजनीतिक मानसिक बीमारी का संकेत नहीं है? उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा, शोले फिल्म के गब्बर सिंह की तरह ऑपरेशन लोटस का डर पैदा किया गया है। लेकिन राजस्थान में इस ऑपरेशन का विफल होना राजनीतिक घमंड की विफलता को दिखाता है। शिवसेना ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ बैठक के बाद कांग्रेस नेता सचिन पायलट पार्टी के हित में काम करने के लिए सहमत हो गए और गहलोत ने एक महीने के लंबे गतिरोध के बाद अपनी सरकार बचा ली है। मुखपत्र में कहा गया कि पायलट गहलोत के सामने कमजोर खिलाड़ी साबित हुए हैं। मराठी भाषा के मुखपत्र में कहा गया, गहलोत ने अपनी सरकार बचाने के लिए सबकुछ किया। गहलोत के खिलाफ करीब एक महीने तक बगावत के बाद पायलट जयपुर लौट आए हैं। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी से किसी भी पद की मांग नहीं की और प्रतिशोध की कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

बेंगलुरु में हिंसा: कांग्रेस एमएलए के घर तोड़फोड़-आगजनी, 3 की मौत व 60 पुलिसकर्मी घायल

नेशनल डेस्क। कांग्रेस विधायक के एक कथित रिश्तेदार द्वारा सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किए जाने के बाद हुई हिंसा को काबू करने के लिए पुलिस की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। हालात पर काबू पाने के लिए बेंगलुरु में धारा 144 लगा दी गई है, जबकि हिंसा वाले इलाके में कर्फ्यू लगा है। बेंगलुरु के पुलिस आयुक्त कमल पंत ने कहा कि पुलिस की गोलीबारी में तीन लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु के पुलाकेशी नगर में हुई हिंसा के मामले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार रात शुरू हुई यह हिंसा बुधवार तड़के तक जारी रही। इस दौरान 60 पुलिस कर्मियों सहित कई लोग घायल हो गए। मंगलवार रात आक्रोशित भीड़ ने एक थाने और कांग्रेस विधायक के आवास में तोड़फोड़ की थी, जिसके बाद सरकार ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा था कि दंगों और कानून एवं व्यवस्था में उल्लंघन के मामलों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंत ने बताया कि कथित सोशल मीडिया पोस्ट डालने वाले नवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने शांति बनाए रखने की भी अपील की। पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में लोग विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के आवास के निकट जमा हुए और तोड़फोड़ की तथा वहां खड़े वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद भीड़ ने यह सोचकर थाने को निशाना बनाया कि पुलिस ने आरोपी को वहां हिरासत में रखा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हिंसा को रोकने की कोशिश कर रहीं पुलिस टीमों के वाहनों को भी भीड़ ने क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि खुद को विधायक का रिश्तेदार बताने वाले आरोपी ने कथित रूप से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिससे एक समुदाय के लोग भड़क उठे। विधायक ने समुदाय के लोगों से हिंसा नहीं करने की अपील की। उन्होंने वीडियो संदेश में कहा कि मैं मुस्लिम भाईयों से अपील करता हूं कि कुछ उपद्रवियों की गलतियों के चलते हमें हिंसा में शामिल नहीं होना चाहिए। लड़ने-झगड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हम सभी भाई हैं। हम कानून के अनुसार दोषियों को सजा दिलाएंगे। हम भी आपके साथ हैं। मैं अपने मुस्लिम दोस्तों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं।

कोविड-19: सिद्धरमैया की जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं, जल्द मिलेगी अस्पताल से छुट्टी

बेंगलुरु । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की कोविड-19 जांच रिपोर्ट में सक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। वह इलाज के लिए यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं और उन्हें बृहस्पतिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। सिद्धरमैया के कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक बयान में बताया गया कि राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धरमैया अब पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं। बयान में कहा गया, चिकित्सकों के अनुसार दूसरी बार गले से लार के नमूनों की और रक्त की जांच की गई और रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।सि द्धरमैया को चार अगस्त को मणिपाल अस्पताल में भर्ती किया गया था। उन्हें सिर्फ शुरुआती दो दिनों तक बुखार रहा और इसके बाद उनमें संक्रमम के कोई लक्षण नहीं थे। बयान के अनुसार, चिकित्सकों ने बताया कि सिद्धरमैया को कल अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। उनके बेटे और वरुणा से कांग्रेस के विधायक डॉक्टर यतींद्र सिद्धरमैया भी सात अगस्त को संक्रमित पाए गए थे। यतींद्र सिद्धरमैया भी सात अगस्त को संक्रमित पाए गए थे। वहीं इसी मणिपाल अस्पताल में कोविड-19 बीमारी के इलाज के बाद मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा को सोमवार को छुट्टी दे दी गई थी। वह अभी घर में पृथक-वास में हैं।

भारत में मानसून से बिगड़े हालात, युएन देगा सर्वाधिक प्रभावित समुदायों को सहायता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र भारत में मानसून के कारण हो रही भारी बारिश की वजह से सर्वाधिक प्रभावित और वंचित समुदायों को मानवीय सहायता मुहैया कराएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, '' बताया जा रहा है कि भारत में मानसून ने 770 से अधिक लोगों की जान ले ली है। प्राधिकारियों के अनुसार, पांच लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है । संयुक्त राष्ट्र भारत में सबसे वंचित और प्रभावित समुदायों को मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए तैयार है। दुजारिक ने एशिया में बाढ़ की स्थिति के बारे में कहा कि बांग्लादेश में पिछले कुछ वर्षों का सबसे भयंकर एवं सबसे लंबा मानसून आया है और एक चौथाई देश बाढ़ से जूझ रहा है। दुजारिक ने एशिया में बाढ़ की स्थिति के बारे में कहा कि बांग्लादेश में पिछले कुछ वर्षों का सबसे भयंकर एवं सबसे लंबा मानसून आया है और एक चौथाई देश बाढ़ से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि कम से कम 54 लाख लोग भीषण बाढ़ से प्रभावित हुए हैं, 11,000 परिवार विस्थापित हो गए हैं और 135 लोगों की मौत हो गई है। प्रवक्ता ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र सहयोगी भोजन, आश्रय, साफ जल, स्वच्छता संबंधी एवं अन्य आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता कर रहे है।

पशुपतिनाथ मंदिर और भारतीय श्रद्धालुओं के बीच आया कोरोना

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट के चलते नेपाल का सबसे प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर पिछले कुछ महीनों से बंद है। पशुपतिनाथ मंदिर के बाहर सावन के अंतिम सोमवार (10 अगस्त) के मौके पर प्रार्थना के लिए लोग एकत्र हुए। हालांकि अभी नेपाल सरकार ने मंदिर को खोलने का आदेश नहीं दिया है। यह मंदिर पिछले पांच महीनों से कोविड-19 के कारण बंद है। जिसके चलते लोग गेट पर ही माता टेक कर वापिस लौट गए। वहीं कोरोना भारतीय श्रद्धालुओं और पशुपति मंदिर के बीच भी आया है। कोरोना के कारण फ्लाइटों पर रोक लगी हुई है, भारतीय श्रद्धालु भी नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शनों को नहीं जा पा रहे हैं। पशुपति एरिया डेवलपमेंट ट्रस्ट के मुताबिक कोरोना से पहले भारत से प्रतिदिन औसतन दो से तीन हजार लोग भगवान शिव के दर्शनों के लिए आते थे। के मुताबिक भारतीय पर्यटक ग्रुपों में यहां घूमने आते थे, इस दौरान वे पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान शिव की विशेष पूजा में भी शामलि होते थे लेकिन अब ऐसा नहीं हो पा रहा है।ने कहा कि अगर नेपाल सरकार सुरक्षा के लिए कड़े नियमों के साथ मंदिर खोलने की इजाजत देती है तो हमें यकीन है कि नेपाली नागरिकों के साथ-साथ भारतीय श्रद्धालु भी यहां दर्शनों को जरूर आएंगे। के सदस्य सचिव घाना श्याम खतिवाड़ा के मुताबिक भारतीय श्रद्धालुओं द्वारा खुलकर दान करने के कारण पशुपति मंदिर हिमालयी राष्ट्र में सबसे अधिक कमाई वाला मंदिर था। वहीं नेपाल के लोगों को भी भारतीय पर्यटकों का इंतजार है। मंदिर के आसापस दुकानें लगाने वाले लोगों के मुताबिक हर साल करीब 5000 श्रद्धालु पशुपतिनाथ मंदिर आते थे जिसमें सबसे ज्यादा भारतीय होते थे। यूनेस्को विश्व सांस्कृतिक विरासत स्थल की सूची में शामिल पशुपतिनाथ मंदिर में दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए यहां आते हैं। इस

साल महामारी के कारण मंदिर को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। बता दें कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल की अपनी पहली यात्रा पर गए थे तब उन्होंने पशुपतिनाथ मंदिर में 30 मिनट से ज्यादा समय तक विशेष पूजा-अर्चना की थी और पशुपतिनाथ मंदिर ट्रस्ट को 2500 किलोग्राम चंदन दान किया था जिसकी कीमत 2 करोड़ रुपए से अधिक थी।

सुशांत सुसाइड केस- इस शख्स के लिए सिरदर्द बनी रिया चक्रवर्ती, लोग निकाल रहे गालियां

नेशनल डेस्क। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत सुसाइड केस में अब नया मोड़ आया है। सुशांत के पिता ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती पर पैसे हड़पने का आरोप लगाया है। जहां रिया चक्रवर्ती इन दिनों श्रष्ठ के दफ्तर के चक्कर काट रही है वहीं एक शख्स के लिए के लिए रिया सिरदर्द बन गई है। शख्स को इतने फोन कॉल्स आए कि उसे अपना नंबर बंद करना पड़ा। दरअसल उस शख्स का और रिया रिया चक्रवर्ती का नंबर थोड़ा मिलता-जुलता है जिस कारण पिछले कुछ समय से लोग उसे ही कॉल लगा रहे हैं। इतना ही नहीं फोन लोग उसे बिना सच्चाई जाने उसे गालियां निकाल रहे हैं। मुंबई मिरर की खबर के अनुसार, नवी मुंबई में रहने वाले 32 साल के सागर सुर्वे को तब से अनचाहे कॉल्स आ रहे हैं जब से रिया चक्रवर्ती की कॉल डिटेल मीडिया में सार्वजनिक हुई है। कुछ दिन पहले ही रिया चक्रवर्ती की कॉल डिटेल मीडिया में दिखाई गई थी जिसमें रिया चक्रवर्ती ने किस-किससे बात की, उसका ब्योरा था. इसमें रिया का मोबाइल नंबर भी दिखाया गया था। जल्दबाजी में कई लोगों ने डिजिट आगे-पीछे कर दिए और नबंर वायरल हो गया लेकिन जो नंबर वायरल हुआ है वो रिया का नहीं बल्कि सागर सुर्वे का है। लोग सागर को गंदे फोन कर उसे गालियां दे रहे हैं।

वेंटिलेटर पर प्रणब मुखर्जी, बेटी शर्मिष्ठा ने पिछले साल के उस खास दिन को किया याद

नेशनल डेस्क। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ब्रेन सर्जरी के बाद अभी तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए देश के कई हिस्सों में प्रार्थनाएं की जा रही हैं। प्रणब मुखर्जी की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पिता के जल्दी ठीक होने की कामना की और एक साल पुराने उस दिन को याद किया। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने ट्वीट कर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को मिले भारत रत्न सम्मान के पल को याद किया है। शर्मिष्ठा ने ट्वीट किया, पिछले साल 8 अगस्त का दिन मेरी जिंदगी के सबसे खुशी के दिन में से एक था, जब मेरे डैड को भारत रत्न मिला. अब एक साल बाद 10 अगस्त को वो गंभीर रूप से बीमार हो गए। भगवान उनके लिए अच्छा करे और मुझे जिंदगी के सुख-दुख स्वीकार करने की क्षमता दे, मैं सभी का शुक्रिया अदा करती हूं। बता दें कि प्रणब मुखर्जी को सोमवार तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आर्मी रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल ने मंगलवार को बताया कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ब्रेन सर्जरी के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। 10 अगस्त को प्रणब मुखर्जी के ट्विटर हैंडल से भी ट्वीट किया गया था, जिसमें लिखा था । एक अलग इलाज के लिए अस्पताल आया हूं और यहां आज मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है, पिछले सप्ताह मेरे संपर्क में आए लोगों से मैं अनुरोध करता हूं कि वे स्वयं को आइसोलेट कर लें और कोविड-19 का टेस्ट कराएं।

13 और 15 अगस्त को कई जगह ट्रैफिक डायवर्जन, इन रास्तों से बचकर : दिल्ली

नई दिल्ली । स्वतंत्रता दिवस के मद्देजनर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए दिल्ली की जनता से अपील कि है कि 13 और 15 अगस्त के लिए कई जगह ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत लाल किले के आसपास की करीब एक दर्जन से ज्यादा सड़कें बंद रहेंगी और ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। इस दौरान नई दिल्ली के अलावा सेंट्रल दिल्ली के कई इलाकों में सुबह के वक्त कई मार्ग पूरी तरह से बंद रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अलावा दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बल के जवानों की इन इलाकों में तैनाती रहेगी। संयुक्त आयुक्त एनएस बुंदेला ने बताया कि जिन मार्गों पर सुबह 4 बजे से 10 बजे तक आम वाहन चालकों की मनाही होगी उनमें नेताजी सुभाष मार्ग से दिल्ली गेट-छत्ता रेल तक, लोथियान रोड से जीपीओ-छत्ता रेल तक, एसपी मुखर्जी मार्ग से एचसी सेन मार्ग-यमुना बाजार चैक, चांदनी चौक रोड से फाउंटेन चौक-लाल किला तक, निशद राज मार्ग से रिंग रोड-नेताजी सुभाष मार्ग, एसप्लानेड रोड और लिंक रोड से नेताजी सुभाष मार्ग, रिंग रोड से राजघाट-आईएसबीटी, आउटर रिंग रोड से आईएसबीटी-आईपी फ्लाईओवर सलीमगढ़ बाईपास तक शामिल हैं। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान इन सड़कों पर केवल पार्किंग लेबल लगे वाहनों को ही अनुमति दी जाएगी। जिन वाहनों पर पार्किंग लेबल नहीं होगा उन्हें सी-हेक्सागन इंडिया गेट, कॉपरनिक्स मार्ग, मंडी हाउस, सिकंदरा रोड, डब्ल्यू प्वाइंट, ए प्वाइंट, तिलक मार्ग, मथुरा रोड, बहादुरशाह जफर मार्ग, सुभाष मार्ग, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, रिंग रोड पर निजामुद्दीन ब्रिज से भी बचने की सलाह दी गई है। ट्रैफिक पुलिस ने नॉर्थ से साउथ दिल्ली जाने के लिए अरबिंदो मार्ग, सफदरजंग रोड, मदर टेरेसा क्रीसेंट, पार्क स्ट्रीट, मंदिर मार्ग, पंचकुईया रोड, रानी झांसी रोड के इस्तेमाल की सलाह दी है। इसके अलावा कनॉट प्लेस पहुंचकर मिंटो रोड, भावभूति मार्ग, अजमेरी गेट, श्रद्धानंद मार्ग, लाहौरी गेट चैक, नया बाजार, पीली कोठी, एसपी मुखर्जी मार्ग पर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से भी अपने गंतव्य तक पहुंचा जा सकता है। पूर्व से पश्चिम की ओर जाने के लिये डीएनडी, एनएच-24(एनएच9), विकास मार्ग, शाहदरा ब्रिज और वजीराबाद ब्रिज भी रिंग रोड पर पहुंचने के लिये खुला रहेगा। व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही पर भी बैन लगाया गया है। यह बैन निजामुद्दीन ब्रिज और वजीराबाद ब्रिज के बीच 12 अगस्त की आधी रात से 13 अगस्त सुबह 11 बजे तक रहेगा। अंतर्राज्यीय बसों के भी इसी समय अवधि तक आईएसबीटी महाराना प्रताप और सराय काले खां पहुंचने की मनाही की गई है। इसके अलावा डीटीसी की बसें भी आधी रात से 13 अगस्त की सुबह 11 बजे तक रिंग रोड पर आईएसबीटी और निजामुद्दीन तक नहीं दौड़ पाएगी।

भारत में कोरोना ब्लॉस्ट-एक दिन में 60 हजार से ज्यादा केस, मरीजों की संख्या 23 लाख पार

नेशनल डेस्क। भारत में तेजी से कोरोना वायरस फैल रहा है। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 23 लाख के पार पहुंच गई है। देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 60,963 नए मामले सामने आए और 834 मौतें हुईं। यह आंकड़ा दुनिया में सबसे ज्यादा है। अमेरिका और ब्राजील में बीते दिन क्रमशः 52,956 और 54,923 नए मामले आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में अबतक 23,29,639 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। वहीं कोरोना से 46,091 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1639600 लोग ठीक भी हुए हैं और स्वस्थ होकर घरों को लौट चुके हैं। वहीं देश में कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप के बीच इससे निजात पाने वालों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान 56 हजार से ज्यादा लोगों के स्वस्थ होने के बाद अब तक करीब 16.40 लाख मरीज संक्रमणमुक्त हो गए हैं। देश में अब सक्रिय मामले 27.64 प्रतिशत, रोगमुक्त होने वालों की दर 70.38 प्रतिशत और मृतकों की दर 1.98 प्रतिशत है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 818 बढ़कर 1,48,860 हो गए तथा 256 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 18,306 हो गया। इस दौरान 10014 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 3,68435 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। 3,68435 हो गई। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 176 कम होने से सक्रिय मामले 87,597 हो गए हैं। राज्य में अब तक 2203 लोगों की मौत हुई है, वहीं 9113 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 1,54,749 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेना की पैट्रोल टीम पर संदिग्ध आतंकियों का हमला, 1 जवान घायल

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के बारामुला में सेना की पैट्रोल टीम पर संदिग्ध आतंकियों का हमला कर दिया जिसमें एक जवान घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस अब जवान को इलाज के लिए भेज मामलें की जांच में जुटी हुई है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के कामराजीपोरा में सेब के बागान में बुधवार सुबह शुरू हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया जबकि सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को भी मार गिराया है। सुरक्षा बलों को इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी जिसके बाद जवानों ने ज्वाइंट सर्च ऑप्रेशन चलाया और दो आतंकियों को घेरा। खुद को घिरता देख आतंकियों ने फायरिंग की जिसमें एक जवान घायल हो गया था लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान वे शहीद हो गए। वहीं जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी एक आतंकी को ढेर कर दिया जबकि दूसरे की तलाश अभी जारी है। खबर लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी थी।

हिजबुल मुजाहिदीन के टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़, पांच आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों ने मंगलवार को बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन (एचएम) के गुट का भंडाफोड़ करके एक आतंकवादी और पांच आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने हिजबुल के गिरफ्तार आतंकियों के पहचान परवेज अहमद भट (22), अल्ताफ अहमद मिर (35), मोहम्मद (35), नजीमुद्दीन गुर्जर (44) और अब्दुल कयूम (29) के रूप में की है। बताया जा रहा है कि कुपवाड़ा के लालपोरा में तलाशी अभियान के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। सेना ने कहा कि जम्मू और कश्मीर पुलिस के इनपुट के आधार पर सोमवार देर शाम एक ज्वाइंट ऑपरेशन में तलाशी अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि माछिल सेक्टर में सेना 56 आरआर ने हाल ही में घुसपैठ की नाकाम कोशिश के मद्देनजर तलाशी अभियान शुरू किया।

कर्नाटक में दर्दनाक हादसा- चलती बस में लगी आग से 3 बच्चों समेत 5 जिंदा जले, कई झुलसे

नेशनल डेस्क। कर्नाटक में विजयपुरा से बेंगलुरु जा रही एक निजी बस में बुधवार तड़के आग लगने से तीन बच्चों सहित पांच लोगों की झुलसकर मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि हिरियुर तालुक के केआर हल्ली में राष्ट्रीय राजमार्ग-4 पर तड़के साढ़े तीन बजे एक निजी बस में आग लग गई। दुर्घटना के समय बस में 32 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है कि बस के इंजन में खराबी के कारण आग लगी। हिरियुर की पुलिस अधीक्षक राधिका ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया है। दुर्घटना में घायल 27 यात्रियों का हिरियूर शहर के सार्वजनिक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। हादसे में झुलस गए कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आईटी ने 1000 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दिल्ली-एनसीआर में की छापेमारी, घेरे में चीनी नागरिक

नेशनल डेस्क। आयकर विभाग ने 1,000 करोड़ रुपए के धन शोधन गिरोह में कथित तौर पर शामिल रहने को लेकर कुछ चीनी नागरिकों और उनके स्थानीय सहयोगियों के खिलाफ छापे मारे हैं। सीबीडीटी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कहा कि यह धन शोधन शेल कंपनियों का इस्तेमाल कर किया गया। सीबीडीटी ने कहा, ''चीनी कंपनी की अनुषंगी और इससे जुड़े संस्थानों ने भारत में खुदरा शोरूम खोलने के लिए छद्म या मुखौटा (शेल) कंपनियों से 100 करोड़ रुपए की दिखावटी अग्रिम राशि ली। विभाग ने अभियान के तहत दिल्ली, गुरुग्राम और गाजियाबाद में कम से कम 24 स्थानों पर छापेमारी की। कर विभाग के लिये नीति बनाने वाले सीबीडीटी ने कहा कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर छापे मारे गए। यह सूचना मिली थी कि कुछ चीनी नागरिक और उनके भारतीय सहयोगी कई शेल कंपनियों के जरिए धन शोधन एवं हवाला लेन-देन में संलिप्त हैं। सीबीडीटी ने कहा कि कुछ बैंक अधिकारियों के यहां भी छापे मारे गए हैं। बोर्ड ने एक बयान में कहा कि छापेमारी की कार्रवाई में यह खुलासा हुआ कि चीनी नागरिकों के कहने पर 40 से अधिक बैंक खाते विभिन्न काल्पनिक वित्तीय संस्थानों में खोले गए, जिनमें 1,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि डाली गई दिखाई गई। बयान में कहा गया कि छापे की कार्रवाई में बैंक कर्मचारियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट की सक्रिय संलिप्तता से हवाला लेन-देन और धन शोधन के संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। कथित तौर पर जाली भारतीय पासपोर्ट रखने वाला एक चीनी नागरिक गिरोह का सरगना है।

सुशांत केस में मौत, मातम, न्याय, नीति और राजनीति

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत का रहस्य लगातार गहरा रहा है। मुंबई पुलिस की आत्महत्या की थ्योरी बहुतों के गले नहीं उतर रही है, हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। परिजन की मांग पर सरकार ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। बिहार में चुनाव की दस्तक के बीच मामला राजनीतिक मोड़ भी लेता दिख रहा है। आइए डालते हैं पूरे घटनाक्रम पर एक नजर... 14 जूनः अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत बांद्रा स्थित अपने आवास में मृत पाये गए। मुंबई पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट के मुताबिक सुशांत ने अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर जान दी। वह डिप्रेशन में थे। बहुत से लोगों को पुलिस की इस बात पर विश्वास नहीं हुआ। 15 जूनः ट्विटर और सोशल मीडिया पर करण जौहर और आलिया भट्ट पर निशाना साधते हुए इनके सांत्वना संदेश को फर्जी बताया जाने लगा। हैशटेग बायकॉट बालिवुड सुबह से ही ट्विटर पर टॉप ट्रेंड करने लगा। विले पार्ले के श्मशान घाट में सुशांत का अंतिम संस्कार हुआ। कृति सैनन, श्रद्धा कपूर, रिया चक्र वर्ती और विवेक ओबेरॉय को छोड़कर ज्यादातर बड़े कलाकार इस मौके पर दूर रहे। कंगना रानौत ने एक टीवी चैनल पर कुछ दिग्गज निर्माता-निर्देशकों पर गंभीर आरोप लगाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक को महंगे पड़े बड़बोले मंत्री के बोल, सऊदी अरब ने रोकी तेल सप्लाई

इस्लामाबाद। कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ को धमका कर पाकिस्तान खुद अपने ही जाल में बुरी तरह फंस गया है। आर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कंट्रीज को तोड़ने की धमकी देना पाकिस्तान को इतना महंगा पड़ गया है कि इमरान सरकार अब अपने ही बयान पर पछता रही है। भारत के खिलाफ धमकाने का करारा जवाब देते हुए सऊदी अरब ने पाकिस्तान को उधार में तेल देना बंद कर दिया है। पाकिस्तान अब गिड़गिड़ा रहा है लेकिन सऊदी अरब अब कोई ध्यान ही नहीं दे रहा है। बता दें कि आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पाकिस्तान ने दिवालिया होने से बचने के लिए साल 2018 में सऊदी अरब से 6.2 (करीब 46 हजार करोड़ रुपए) अरब डॉलर का कर्ज लिया था। कर्ज पैकेज के तहत पाकिस्तान को 3.2 अरब डॉलर (करीब 24 हजार करोड़ रुपए) का तेल उधार में देने का प्रावधान किया गया था। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, इस प्रावधान की मियाद दो महीने पहले ही खत्म हो चुकी है। इसका अब तक नवीनीकरण नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने नाराजगी में चीन से उधार लेकर सऊदी अरब से लिए कर्ज में से एक अरब डॉलर (करीब साढ़े सात हजार करोड़ रुपए) की किस्त समय से चार महीने पहले ही चुका दी है लेकिन बाकी कर्ज चुकाने के लिए भी वह चीन का मुंह ताक रहा है। दरअसल, पिछले दिनों पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने एक टीवी कार्यक्रम में सऊदी अरब को धमकी दे डाली थी शाह ने कहा था कि कश्मीर मुद्दे पर के विदेश मंत्रियों की आपात बैठक नहीं बुलाई तो पाकिस्तान खुद यह बैठक बुला सकता है। उन्होंने कहा, अगर सऊदी अरब बैठक नहीं बुलाता है तो प्रधानमंत्री इमरान खान से यह आग्रह करने के लिए विवश हो जाऊंगा कि वे खुद उन इस्लामिक देशों की बैठक बुलाएं, जो कश्मीर के मुद्दे पर हमारा साथ देने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान को सऊदी अरब से उधार पर कच्चा तेल मई से नहीं मिला है। साथ ही उसे आपूर्तिकर्ता की ओर से इस सुविधा को जारी रखने के बारे में अभी कोई जवाब भी नहीं मिला है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जबकि पाक का अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष कार्यक्रम भी पिछले पांच माह से तकनीकी तौर पर स्थगित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी ऋण को वापस करने तथा तेल सुविधा की मियाद समाप्त होने से केंद्रीय बैंक के आधिकारिक मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ सकता है। यह भंडार शुद्ध रूप से कर्ज लेकर बनाया गया है।

इतना "अनादर करने पर भी बाइडेन ने कमला को उम्मीदवार चुना, बहुत हैरान हूं : ट्रंप

लॉस एंजलिस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह इस बात से काफी हैरान हैं कि उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन ने भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना है जबकि वह लगातार उनका "अनादर करती रही हैं। बाइडेन ने मंगलवार को भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना। ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई अश्वेत महिला देश की किसी बड़ी पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनी हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर काबिज होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी उपराष्ट्रपति होंगी। हैरिस (55) के पिता अफ्रीकी और मां भारतीय हैं। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया की सीनेटर हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा हैरिस को अकसर पथप्रदर्शक बताते हैं। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, " हम देखेंगे वह कैसे काम करती हैं। उन्होंने प्राइमरी में बेहद खराब प्रदर्शन किया था। उनके बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, "वह कई चीजों को लेकर चर्चा में थीं, इसलिए मुझे बाइडेन द्वारा उनका चयन करने पर थोड़ा अचम्भा हो रहा है। ट्रम्प ने एक सवाल के जवाब में कहा, " इतना अनादर करने वाले व्यक्ति का चयन करना कठिन काम है। डेमोक्रेट प्राइमरी डिबेट के दौरान उन्होंने बाइडेन के बारे बेहद खराब बातें कहीं । मुझे लगा था कि वह उनका चयन नहीं करेंगे। वहीं उप राष्ट्रपति माइक पेंस का कहना है कि उन्हें हैरिस के चयन से कोई हैरानी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, " जैसा आप सभी को पता है कि कट्टरपंथी वाम बाइडेन और डेमोक्रेट पर हावी हो गए हैं। इसलिए उच्च कर, खुली सीमाओं, मांग पर गर्भपात आदि उनके वादों को देखते हुए, इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने सीनेटर हैरिस को चुना है।

अब मेकांग नदी को लेकर चीन से भिड़ने की तैयारी में अमेरिका

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिका और चीन के बीच, कोरोना वायरस, ट्रेड और दक्षिण चीन सागर पर कब्जे को लेकर तनातनी चल रही है। लेकिन अब इन दोनों देशों के बीच मेकांग नदी पर बने बांध को लेकर जंग छिड़ सकती है। चीन की सरकार द्वारा जुलाई में जारी अध्ययन में दावा किया गया है कि अमेरिका समर्थिक एक जांच में पूर्वी एशिया के निचले देशों में पानी के कम बहाव और सूखे को लेकर चीनी बांध को दोष दिया गया है। अध्ययन में यह भी दावा किया गया है कि अमेरिका इस मुद्दे को लेकर अपने सहयोगी देशों के नाम पर चीन से भिड़ने की तैयारी कर रहा है। सिंघुआ विश्वविद्यालय और चीन के जल संसाधन संस्थान के साझा अध्ययन में तर्क दिया गया है कि इस बांध से न केवल बरसात के दिनों में पानी को स्टोर किया जा सकता है, बल्कि गर्मी के दिनों में निचले देशों को इससे पानी की आपूर्ति भी की जा सकती है। चीन की मेकांग नदी युनान प्रांत से निकलकर म्यांमार, थाईलैंड, लाओस और कंबोडिया और वियतनाम से होकर बहती है। लंबाई के हिसाब से मेकांग दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी नदी है। गौरतलब है कि मेकांग पर बने बांध से पानी की कमी को देखते हुए वियतनाम ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है जबकि, थाईलैंड ने वर्ष के अंत शुरू होने वाले राहत प्रयासों में अपनी सेना को शामिल कर लिया है। विश्लेषकों ने कहा है कि पानी के मुद्दे पर चीन का अपने पड़ोसी देशों से विवाद और गहरा सकता है। वहीं, अमेरिका भी अपने सहयोगी देशों की तरफ से चीन के खिलाफ मोर्चा खोल सकता है।

पाकिस्तानी पुलिस ने नवाज की बेटी मरियम पर बरसाए पत्थर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज शरीफ की कार पर पाकिस्तानी पुलिस ने मंगलवार को जमकर पत्थर बरसाए। बताया जा रहा है कि मरियम को मंगलवार को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो के सामने पेश होना था। मरियम की कार लाहौर में नैब के ऑफिस के सामने ही फंसी रही और वह वहां तक नहीं पहुंच पाईं। नवाज के समर्थक नैब के कार्यालय में घुसने का प्रयास कर रहे थे और इसी दौरान उनकी पुलिस से झड़प हो गई। मरियम ने आरोप लगाया है कि उनकी कार पर पुलिस कर्मियों ने पत्थर बरसाए और जाने नहीं दिया। इस दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प को लेकर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के 50 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। संघर्ष के दौरान कई कार्यकर्ता और पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। मरियम के बुलेट प्रूफ कार का अगला शीशा भी टूट गया। लाहौर पुलिस के प्रवक्ता आरिफ राना ने संवाददाताओं को बताया, "राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के कार्यालय के बाहर पुलिसकर्मियों पर हमले में संलिप्त पीएमएल-एन के करीब 50 कार्यकर्ताओं को हमने गिरफ्तार किया है।" न्होंने कहा कि इन लोगों और पीएमएल-एन के अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ इस सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएमएल-एन के कार्यकर्ताओं के 'हमले' के बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया, पानी की बौछारें छोड़ीं और आंसू गैस के गोले दागे। पीएमएल-एन के प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता अपनी नेता (मरियम नवाज) के साथ एकजुटता दिखाने के लिए जब ह्नक्क कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागने शुरू कर दिए और कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें छोड़नी शुरू कर दीं।

संक्षिप्त समाचार

झिंजियांग की वकील का आरोप- चीन में उईगर महिलाओं के साथ हो रहा है रेप, जबरन करवाए जा रहे अबॉर्शन

बीजिंग। चीन के झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की एक प्रसिद्ध उइगर अमेरिका कार्यकर्ता और वकील ने चीन में उईगर महिलाओं पर अत्याचारों की फिर पोल खोली है। कैंपेन ऑफ उइगर के संस्थापक और कार्यकारी निदेशक रौशन अब्बास ने बताया कि चीन में उइगल महिलाओं के साथ बर्बरतापूर्ण सलूक किया जाता है । उन्होंने कहा कि उइगर महिलाएं चीन में नरसंहार का सामना कर रही हैं क्योंकि उनके साथ बलात्कार, अत्याचार और ब्रेनवॉश किया जा रहा है। रौशन अब्बास ने कहा, आधुनिक युग में, पूर्वी तुर्किस्तान (झिंजियांग) में उइगर महिलाओं को उनके धर्म और जातीयता के चलते अपराधी की तरह सलूक किया जाता है। उन्हें अपनी प्रजनन क्षमताओं के चलते चीन अपने लिए खतरा मान रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, वे बलात्कार,ब्रेन वॉश, जबरन नसबंदी और जबरन गर्भपात और अन्य प्रकार के प्रतीत होने वाले दुर्व्यवहार का सामना कर रहे हैं। क्योंकि, इन अपराधों का अपराधी चीन की सरकार ह और दुनिया चुप है? चीन नरसंहार कर रहा है और सेलिब्रिटिज और मुखर नारीवादी कहां हैं? उइगर लोगों के लिए मानव अधिकार प्रचारक रही और यूएस कांग्रेस कर चुकी अब्बास ने आगे कहा कि चीन की सरकार की तरफ से यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि उइगर मुसलमानों को खत्म किया जाए। उन्होंने आगे कहा, जैसा कि उइगर महिलाओं को जन्म देने से मना किया जाता है।

पाकिस्तान में कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़कर 2,85,921 हुई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 730 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 2,85,921 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि वायरस से 17 और लोगों की जान जाने से मृतक संख्या बढ़कर 6,129 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि अभी तक 2,63,193 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं, 785 मरीजों की हालत गंभीर है। मंत्रालय के मुताबिक सिंध में सबसे अधिक 1,24,556 मामले सामने आए हैं जबकि पंजाब में 94,715, खैबर पख्तूनख्वा में 34,859, इस्लामाबाद में 15,296, बलूचिस्तान में 11,956, गिलगित बल्तिस्तान में 2,382 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 2,157 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अभी तक देश में 21,86,442 नमूनों की जांच हो चुकी है, जिनमें से 20,631 नमूनों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई।

कमरे में 6 दिन के बच्चे को बेरहमी थप्पड़ मारती दिखी आया

लंदन। अगर आप भी अपने बच्चे की देखभाल के लिए घर में आया रखने की सोच रहें हैं तो यह वीडियो खबर आपकी सोच को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। दरअसल हाल ही में पुलिस ने 50 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया है जोकि 6 दिन के बच्चे को थप्पड़ों से पीटती थी और खिलौने की तरह बिस्तर पर फेंकती थी। यह दिल दहला देने वाला मामला चीन के हुबेई प्रांत के शाहे शहर में का है। जानकारी मुताबिक 26 वर्षीय मिस्टर टियान की पत्नी क्रिटिकल डिलीवरी होने के चलते उनकी पत्नी फ़िलहाल बेटे का ख्याल नहीं रख पा रही हैं। इसलिए मिस वांग नाम की महिला को बच्चे की जिम्मेदारी दी गई थी। एक दिन जब मिस्टर टियान और उनकी पत्नी घर लौटे तो वह बच्चे के कमरे में लगे बेबी मॉनिटर कैमरे की फुटेज देखकर रोने लग पड़े। फुटेज में देखा कि 6 दिन के बच्चे को थप्पड़ मार रहीं थीं और फिर भी चुप न होने पर उसे बिस्तर पर इधर से उधर फेंक रही थीं।

बाइडेन ने भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई अश्वेत महिला देश की किसी बड़ी पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनी हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर काबिज होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी और अफ्रीकी उपराष्ट्रपति होंगी। हैरिस (55) के पिता अफ्रीकी और मां भारतीय हैं। वह अमेरिका के कैलिफोर्निया की सीनेटर हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा हैरिस को अकसर पथप्रदर्शक बताते हैं। बाइडेन (77) ने मंगलवार दोपहर एक लिखित संदेश में इसकी घोषणा कर कई दिनों से जारी अटकलों का समाप्त किया। उन्होंने 'डेमोक्रेटिक से पहले यह घोषणा की है, जिसमें तीन नवम्बर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए बाइडेन को औपचारिक तौर पर नामित किया जाएगा। बाइडेन ने संदेश में कहा, " जो बाइडेन यानी मैंने कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना है।

तुर्की के ड्रोन हमले में 2 इराकी वरिष्ठ कमांडरों की मौत

बगदाद। इराक की सेना ने मंगलवार को कहा कि तुर्की के ड्रोन हमले में देश के 2 वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की मौत हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है जब इराक के उत्तरी हिस्से में कुर्द विद्रोहियों को खत्म करनेवाले तुर्की के अभियान में इराक के उच्च सुरक्षा अधिकारी मारे गए हैं। इराक की सेना के बयान के अनुसार इरबिल के उत्तरी हिस्से के ब्राडोस्ट क्षेत्र में ड्रोन ने बॉर्डर गार्ड्स के एक वाहन को निशाना बनाया। इस हमले में दो कमांडर और वाहन के चालक की मौत हो गई। ब्राडोस्ट के मेयर ने बताया कि बॉर्डर गार्ड्स के दूसरे ब्रिगेड के कमांडर जनरल मोहम्मद रूश्दी और तीसरे रेजिमेंट के कमांडर ब्रिगेडियर जुबैर हाली की इहसान चेलेबी में हमले में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये क्षेत्र में नई चौकियां बना रहे थे। तुर्की की सेना के अधिकारियों से इस संबंध में टिप्पणी लेने के लिए संपर्क नहीं हो सका। इराक के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा गया कि यह इराक की संप्रभुता का उल्लंघन है और इस तरह के लगातार हमले द्विपक्षीय संबंधों की 'समीक्षा करने के लिए उकसा रहे हैं। इराक के दो सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि बॉर्डर गार्ड्स के ये कमांडर गुप्त तरीके से कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के सदस्यों से मिल रहे थे ।

हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने के बाइडेन के फैसले को अमेरिकी मीडिया ने 'ऐतिहासिक' करार दिया

वाशिंगटन। अमेरिका में मुख्यधारा के मीडिया ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन द्वारा भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने को 'ऐतिहासिक' करार दिया है। मीडिया ने इस फैसले का कुछ उसी तरह स्वागत किया, जैसा बराक ओबामा को 2008 में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने पर किया गया था । हैरिस के पिता अफ्रीकी हैं और मां भारतीय हैं। उनके पिता जमैका के मूल निवासी हैं। हैरिस को उम्मीदवार बनाए जाने का फैसला जमैका में भी पहले पन्ने की सुर्खियां बन गया है। बाइडेन ने हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार (अपना रनिंग मेट) चुना है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब कोई अश्वेत महिला देश की किसी बड़ी पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी हैं। यदि हैरिस उपराष्ट्रपति बन जाती हैं, तो वह इस पद पर काबिज होने वाली अमेरिका की पहली महिला होंगी और देश की पहली भारतीय-अमेरिकी एवं अफ्रीकी उपराष्ट्रपति होंगी। हैरिस (55) इस समय अमेरिका के कैलिफोर्निया से सीनेटर हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा हैरिस को अकसर पथ-प्रदर्शक बताते रहे हैं। 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने बुधवार के अपने संस्करण में शीर्षक दिया, "ऐतिहासिक कदम~ बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हैरिस को चुना।"

समाचार पत्र ने लिखा, "किसी बड़ी पार्टी के टिकट से पहली अश्वेत महिला और पहली एशियाई-अमेरिकी महिला को ऐसे समय में उम्मीदवार बनाया गया है, जब देश नस्ली अतीत और भविष्य से जूझ रहा है।"हैरिस राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार बनने की दावेदार रह चुकी हैं। 'न्यूयार्क टाइम्स' ने शीर्षक दिया, "बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस को चुना है, किसी बड़ी पार्टी के टिकट पर पहली अश्वेत महिला को चुना गया।" 'द वाल स्ट्रीट जर्नल' ने शीर्षक दिया, "बाइडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हैरिस को नामित कर इतिहास रचा।"

पुतिन ने बेटी को कोरोना वैक्सीन का पहला टीका लगाने को लेकर बोला झूठ ? वीडियो का सच आया सामने

इंटरनेशनल डेस्क। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन को लेकर किए गए दावों पर महज 24 घंटों के बीच सवाल उठने शुरु हो गए हैं। पुतिन ने ने मंगलवार को दावा किया कि उनके देश ने कोरोना वायरस की पहली वैक्सीन बना ली है और उनकी एक बेटी को भी इस वैक्सीन का डोज दिया गया है। उन्होंने ये भी दावा किया कि वैक्सीन लगाने से उनकी बेटी को कोई खास परेशानी नहीं हुई। महीनों से कोरोना वैक्सीन का इंतज़ार कर रहे लोगों के लिए राहत के साथ-साथ ये चौंकाने वाली खबर थी। पुतिन के इस दावे के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने लगा जिसमें किट पहने एक स्वास्थ्यकर्मी एक लड़की का चेकअप करते हुए दिख रहा है । वीडियो में देखा गया कि किसी लड़की को कोई कोरोना इंजेक्शन देने की तैयारी चल रही है। वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा था कि ये लड़की व्लादिमीर पुतिन की बेटी हैं, जिन्हें कोरोना वायरस वैक्सीन का पहला डोज दिया जा रहा है। लेकिन 24 घंटों के बीच ही इस पुतिन के दावों और इस वीडियो को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए । एक टीवी चैनल की फैक्ट चैक रिपोर्ट के अनुसार इस वीडियो को लेकर किया जा रहा दावा भ्रामक है कि इसमें टीका लगवाने वाली लड़की पुतिन की बेटी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह लड़की पुतिन की बेटी नहीं बल्कि रूस में कोरोना वैक्सीन ट्रायल के लिए चुनी गई एक वॉलनटियर है। रूस के वैक्सीन बनाने के ऐलान के बाद से इस वीडियो को गलत दावे के साथ खूब शेयर किया जा रहा है। ट्विटर पर भी ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। फैक्ट चैक रिपोर्ट के अनुसार वीडियो को इन-विड टूल की मदद से रिवर्स सर्च करने पर वीडियो और इससे जुड़ी तस्वीरें कई रशियन वेबसाइट्स पर मिलीं। रशियन फोटो बैंक पर इस लड़की की कुछ और तस्वीरें मिलीं। कौन है वीडियो में दिख रही लड़की वीडियो में दिख रही लड़की नटालिया एक मिलिट्री डॉक्टर बनने की तैयारी कर रही हैं। के मुताबिक, इस लड़की का नाम नटालिया है जो 13 जुलाई को मॉस्को के बरडेंको मिलिट्री हॉस्पिटल में कोरोना वैक्सीन ट्रायल में एक वॉलनटियर के तौर पर शामिल हुई। इससे पहले 26 जून को एक रशियन न्यूज़ वेबसाइट में प्रकाशित एक आर्टिकल में भी नटालिया की तस्वीर और वीडियो मौजूद है। रशियन टेलीविज़न नेटवर्क 'ऋञ्ज ' के मुताबिक, नटालिया उन 20 लोगों में शामिल थी जिनको वैक्सीन का दूसरा कॉम्पोनेंट दिया गया था। इस वैक्सीन को मॉस्को के गामेल्या रिसर्च इंस्टीट्यूट ने रूस के रक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर बनाया है। पुतिन की बेटी को लेकर सच पुतिन के बेटियों का नाम मारिया पुतिन और कैटरीन टिखोनोवा है।

दोनों लड़कियों की फोटो को देखकर भी ये बात साफ हो जाती है कि वीडियो में दिख रही लड़की पुतिन की बेटी नहीं। फैक्ट चैक में ये बात साबित हो चुकी है।

अब फ्रोजेन सीफूड के पैकेट पर पाया गया कोरोना वायरस, मच गया हड़कंप

बीजिंग। एक तरफ पूरी दुनिया कोरोना वायरस वैक्सीन बनाने में जुटी है, वहीं चीन में यह वायरस अब फ्रोजेन सीफूड के पैकेट पर मिलने से हड़कंप मच गया है। चीनी प्रशासन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि इंपोर्ट किए गए फ्रोजेन सीफूड के पैकेट पर कोरोना वायरस मिला है। ये वायरस कहां से आया है इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। दरअसल फ्रोजेन सीफूड की शिपमेंट चीन की पोर्ट सिटी दालियान के बंदरगाह पहुंची थी।यांतई की तीन कंपनियों ने ये फ्रोजेन सीफूड खरीदा था। यांतई सरकार ने बताया है कि सीफूड दालियान में आए शिपमेंट से पहुंचा है लेकिन ये कहां से आया इसकी जानकारी नहीं है। फिलहाल इस सीफूड शिपमेंट से जुड़ी सभी जगहों व सामानों को सील कर दिया गया है। जो लोग सीफूड के टच में रहे उन्हें भी क्वारनटीन कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दालियान में कस्टम अफसरों का कहना है कि जुलाई में लायोनिंग प्रांत में फ्रोजेन फूड की पैकजिंग पर कोरोना वायरस पाया गया था, जो इक्वाडेर से आयात हुआ था। इसके बाद चीन ने इक्वाडोर से फ्रोजेन सीफूड के आयात पर रोक लगा दी थी। बता दें कि दालियान लायोनिंग प्रांत में ही आता है। अब एक बार फिर दालियान पहुंचे सीफूड के पैकेट पर ही कोरोना पाया गया है। सीफूड के पैकेट पर कोरोना वायरस का मिलना इसलिए भी महत्वपूर्ण घटना है क्योंकि माना जाता है चीन के वुहान शहर स्थित सीफूड मार्केट से ये वायरस फैला है और आज पूरी दुनिया इस वायरस की चपेट में है। सीफूड के पैकेट पर वायरस मिलने के बाद यांतई की तीन कंपनियों ने लाए गए कुछ फूट को प्रोसेस्ड कर लिया था, जबकि बाकी कोल्ड स्टोर में रखा गया है. यांतई सरकार ने बताया है कि यह फूड अभी तक मार्केट में नहीं पहुंचा है।

हिटलर के नक्शे कदम पर चल रहे चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग !

बीजिंग। 20वीं सदी में जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर के चलते दुनिया को दूसरे विश्वयुद्ध में झोंक दिया गया। नाजी पार्टी के नेता हिटलर की मौत के करीब एक दशक बाद जर्मनी से हजारों किलोमीटर दूर चीन में एक शख्स का जन्म हुआ, जो 21वीं सदी में दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध में झोंकने की ठान चुका है। यह कोई और नहीं चीन के नए तानाशाह शी जिनपिंग हैं। अगर हम करीब 8 दशक पहले के हिटलर के रवैए और उसके चलते विश्व पर मंडराए खतरे की तुलना आज की परिस्थितियों से करें तो चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का बर्ताव हू-ब-हू हिटलर से मेल खाता है। सीधे शब्दों में कहें तो वह हिटलर के ही नक्शे कदम पर चल रहे हैं।आज की तारीख में चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के नेता जिनपिंग ने खुद को अपनी पार्टी और चीन की सत्ता का सर्वेसर्वा बना लिया है, जिनकी विस्तारवादी नीति के चलते विश्व शांति फिर से खतरे में पड़ चुकी है। 1929-32 में आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, गरीबी और भुखमरी से जनता को उबारने के वादे के साथ जर्मनी में सोशलिस्ट नारों के साथ एडोल्फ हिटलर नाम के नेता का उदय हुआ था जिसने जर्मनी की खोई हुई प्रतिष्ठा को भी बहाल करने का वादा किया। 2007-09 में वैश्विक मंदी और बेरोजगारी के दौरान चीन में अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी में साफ छवि वाले नेता शी जिनपिंग ने चीन को उसका वाजिब सम्मान दिलाने की ठान कर नीतियां तैयार करनी शुरू कर दीं।1933-34 में हिटलर ने अपने राजनीतिक विरोधियों का वजूद मिटा दिया,चुनौती देने वाले नेताओं की हत्याएं करवा दीं और विरोधियों को कारागार में डाल दिया। 2014-17 में शी जिनपिंग ने हिटलर की नीति अपनाते हुए चीन में अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, उनका वजूद मिटाना शुरू कर दिया।

उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बंदी बना लिया। चुनौती देने वाले नेताओं की हत्याएं करवा दीं और विरोधियों को कारागार में डाल दिया। 2014-17 में शी जिनपिंग ने हिटलर की नीति अपनाते हुए चीन में अपने राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाल दिया, उनका वजूद मिटाना शुरू कर दिया। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर उन्हें बंदी बना लिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

काम्या पंजाबी (Kamya Punjabi) ने रिया चक्रवर्ती को सुशांत सिंह राजपूत के साथ अपनी चैट शेयर करने पर प्रतिक्रिया दी है.

काम्या पंजाबी एक्ट्रेस को आया रिया चक्रवर्ती के चैट शेयर करने पर गुस्सा, बोलीं- 'क्या साबित करना चाहती हैं'

टीवी एक्ट्रेस काम्या पंजाबी (Kamya Punjabi) ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले पर अपनी राय साझा की है. काम्या का मानना है कि सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती (Rhea Chakraborty) उनके क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रही थीं. इसके साथ ही काम्या ने रिया की इस बात पर भी नाराजगी जताई है कि सुशांत अपनी बहन को लेकर परेशान थे.

दरअसल शनिवार को, रिया ने सुशांत के साथ अपनी व्हाट्सएप चैट साझा की थी, जिसमें दिखाया गया था कि कैसे वह अपनी बहन प्रियंका के कारण परेशान रहते थे. इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, काम्या ने कहा कि भाई-बहन का झगड़ा एक आम मामला है.

काम्या लिखती हैं, 'वह इस चैट स्क्रीनशॉट के साथ क्या साबित करने की कोशिश कर रही हैं? भाई बहन में झगड़े होते रहते हैं, कोई बड़ी बात नहीं है. वह आपके साथ रह रहे थे अपनी बहन के साथ नहीं.' इसके आगे कॉम्या ने लिखा है, सभी क्रेडिट कार्ड आपके द्वारा उपयोग किए गए थे, उनकी बहन के द्वारा नहीं

आपको बता दें कि इन स्क्रीन शॉट में रिया के साथ अपनी बातचीत में, सुशांत ने लिखा था कि वह अपनी बहन के बारे में चिंतित हैं. इसके साथ ही उन्होंने और भी बातें अपनी बहन के बारे में कुछ बातें कही थी.

यह पहली बार नहीं है जब काम्या ने रिया के बारे में बात की है. शनिवार को, उन्होंने सुशांत की एक तस्वीर शेयर करने के लिए रिया पर कटाक्ष भी किया, जिसमें कहा गया था कि रिया उनकी एकमात्र संपत्ति थी जो उनके पास थी. 'जिसका सिपर था उसे भी संभाल कर रख लेती (आपको इस सिपर की देखभाल करनी चाहिए थी) याद दिला दें क सुशांत के पिता ने पिछले महीने पटना में रिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी. मामला अब सीबीआई को स्थानांतरित कर दिया गया है. सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में, एफआईआर को मुंबई स्थानांतरित करने की मांग करते हुए, रिया ने आरोप लगाया है कि सुशांत के पिता ने उसे एफआईआर में फंसाने में अपने 'प्रभाव' का इस्तेमाल किया है.

आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर बड़ा ऐलान, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

आमिर खान और करीना कपूर की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' इस साल नहीं रिलीज होगी. फिल्म की रिलीज को लेकर बड़ा ऐलान हुआ है.

आमिर खान (Aamir Khan) की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए एक बुरी खबर है. इस फिल्म के लिए अब दर्शकों को अगले साल तक इंतजार करना होगा. मेकर्स ने इस बात का ऐलान कर दिया है. फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने सोशल पर फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान किया है. आपको बता दें इस साल क्रिसमस के मौके पर 'लाल सिंह चड्ढा' रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसके लिए आपको करना होगा एक साल का और लंबा इंतजार.

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' अब अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी. आपको बता दें फिल्म के मेकर्स नहीं चाहते हैं कि आमिर की इस फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाए, यही वजह है कि 'लाल सिंह चड्ढा' की रिलीज डेट को पोस्टपोन कर दिया गया है.

कोरोना वायरस लॉकडाउन के बाद आमिर खान ने अब फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है. आमिर खान की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं जिसमें वह तुर्की में नजर आ रहे हैं. इस फिल्म को लेकर आमिर ने जहां कोलकाता से लेकर पंजाब, राजस्थान, गुजरात जैसे कई राज्यों में शूटिंग की तो वहीं वो अब विदेश के शूटिंग शेड्यूल को पूरा करने में लग गए हैं.

'लाल सिंह चड्ढा' फिल्म रॉबर्ट जेमेकिस द्वारा निर्देशित 1994 की फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' की ऑफिशियल हिंदी रीमेक है. फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' में लीड रोल में हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम हैंक्स नजर आए थे. इस फिल्म ने ऑस्कर के साथ कई सारे अवॉर्ड्स अपने नाम किए ते. 'लाल सिंह चड्ढा' का निर्देशन अद्वैत चंदन कर रहे हैं, वहीं आमिर खान और उनकी पत्नी किरण राव फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म में करीना के साथ आमिर की जोड़ी बनी है. इससे पहले ये 'थ्री इडियट्स' और 'तलाश' जैसी फिल्म में साथ काम कर चुके हैं.

अमिताभ बच्चन ने जताई फिल्मी करियर की चिंता, तो मिलने लगे मजेदार जॉब ऑफर्स

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने फिल्मी करियर को लेकर चिंता जाहिर की थी जिस पर अब उनके एक फैन ने उन्हें जॉब के कई ऑफर दे डाले हैं.

कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद हाल ही में अमिताभ बच्चन (Amitabh Bachchan) अस्पताल से घर वापस लौटे हैं. इस बीच बिग बी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं. ट्विटर, इंस्टाग्राम से लेकर वो जमकर ब्लॉग भी लिख रहे हैं. अमिताभ ने हाल ही में अपने फिल्मी करियर को लेकर चिंता जाहिर की थी और कहा था कि अब पेशे से बोरिया-बिस्तर समेटना पड़ेगा.

आखिर बिग बी ने ये चिंता जाहिर क्यों की तो चलिए बताते हैं. हाल ही में बंबई उच्च न्यायालय ने 65 साल से अधिक उम्र के फिल्म, टीवी कलाकारों और अन्य सदस्यों के काम करने पर रोक लगाने वाले महाराष्ट्र सरकार के दो प्रस्तावों को शुक्रवार को खारिज कर दिया था. महाराष्ट्र सरकार के नियम के तहत कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान इन लोगों के स्टूडियो या बाहर निकलकर काम करने पर रोक लगा दी गई थी.

इसी पर अमिताभ बच्चन ने कहा था, 'निश्चित रूप से कई अन्य चिंताएं हैं, जो मन को परेशान करती हैं. सरकारी अधिकारियों ने तय किया कि 65 साल और उससे ऊपर की उम्र वाले कलाकार काम पर नहीं जा सकते. मेरे जैसै लोगों, मेरे पेशे और मेरे 78 वर्षों के लिए तो फिर से यह बैग पैक करना है!

वहीं अब बिग बी ने अपने ब्लॉग पर एक स्क्रीनशॉट शेयर किया है जिसमें उनके एक चाहने वाले ने उन्हें नौकरी का ऑफर दिया है. इस लेटर में उनके फैन ने अमिताभ बच्चन को कहा, 'अगर आप चाहते हैं कुछ करना तो आप अमेरिका के राष्ट्रपति बन सकते हैं. या दुकान खोल लीजिए' इसके अलावा भी इस फैन ने बिग बी को कई नौकरियों के ऑफर दिए हैं.

आयुष्मान खुराना को कंगना रनौत ने लगाई फटकार, कहा- 'चापलूस आउटसाइडर्स'

कंगना का गुस्सा आयुष्मान पर फूट रहा है. फटकार लगाते हुए कंगना ने उन्हें 'चापलूस आउटसाइडर्स' तक कह डाला है.

एक्ट्रेस कंगना रनौत वैसे तो हमेशा से ही अपनी बेबाक राय रखने के लिए जानी जाती हैं लेकिन सुशांत सिंह राजपूत मामले के बाद से उनका गुस्सा कुछ ज्यादा ही तेज हो गया है. एक-एक करके वह हर उस एक्टर, डायरेक्टर को फटकार लगा रही हैं जो किसी भी तरह है नेपोटिज्म या स्टार किड्स के पक्ष में नजर आ रहा है. बीते दिनों खबर आई थी कि आयुष्मान खुराना ने रिया चक्रवर्ती का पक्ष लेते हुए एक बयान दिया था. जिसके बाद अब कंगना का गुस्सा उनपर फूट रहा है. कंगना ने आयुष्मान को फटकार लगाते हुए 'चापलूस आउटसाइडर्स' तक कह डाला है.

कंगना रनौत कई दिन से सुशांत सिंह राजपूत की सुसाइड को लेकर लोगों पर नेपोटिज्म और ग्रुपिज्म का आरोप लगा रही हैं. अब एक्ट्रेस ने आउटसाइडर्स पर निशाना साधना शुरू कर दिया है. एक्ट्रेस ने जहां बीते दिनों महेश भट्ट, करण जौहर, सलमान खान और आलिया भट्ट समेत कई स्टार्स पर आरोप लगाए वहीं अब उन्होंने KRK के एक ट्वीट को रीट्वीट करते हुए आयुष्मान पर भी निशाना साध दिया है.दरअसल कमाल आर खान (KRK) ने आयुष्मान को लेकर एक ट्वीट किया था. जिसमें उन्होंने आयुष्मान को कहा कि वह तीन कारणों से नेपोटिज्म और स्टार किड्स का सपोर्ट कर रहे हैं. उनके अनुसार ये तीन कारण हैं, '1 आयुष्मान को बॉलीवुड में सर्वाइव करना है. 2 वह यश राज फिल्म्स के आर्टिस्ट हैं. और 3 व अंतिम कारण कि सुशांत सिंह राजपूत उनके कॉम्पिटीटर थे.' इसके बाद केआरके ने लिखा, 'आप घबराएं नहीं.

आपकी फिल्में भी आएंगी और जनता आपको करारा जवाब देगी. ऑल द बेस्ट.'

अब केआरके के इस ट्वीट पर कंगना की टीम की नजर पड़ी. उन्होंने इसे रीट्वीट किया लेकिन इसमें आयुष्मान का नाम लेने से परहेज किया.

यहां इस ट्वीट में लिखा है, 'चापलूस आउटसाइडर्स सिर्फ एक वजह से ही माफिया का सपोर्ट करते हैं. वो है उनके विचारों की सामान्यता. उन्हें इंडस्ट्री से कोई नहीं धमकाता और वे कंगना और सुशांत जैसे लोगों का मजाक बनाते हैं और सच्चाई भी बयां नहीं करते.'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रेय अस्पताल अग्निकांड की तफ्तीश के लिए जांच आयोग का गठन

अहमदाबाद (क्रांति समय सुरत),

गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल अग्निकांड की तफ्तीश के लिए हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश की अध्यक्षता में जांच का आयोग गठन किया है।

जांच आयोग तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा और इसका मुख्यालय अहमदाबाद में होगा।

गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया कि श्रेय अस्पताल घटना की तत्काल जांच के लिए गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संगीतासिंह और शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव मुकेश पुरी को नियुक्त किया गया था।

दोनों वरिष्ठ सचिवों ने अपनी जांच रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। जिसके आधार पर सरकार ने हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश की अध्यक्षता में कमीशन ऑफ इंक्वायरी एक्ट 1952 के तहत जांच आयोग का गठन किया है।

गुजरात हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश केए पूंज को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि आयोग का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा

और तीन महीने में आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

दूसरी ओर नवरंगपुरा पुलिस थाने में श्रेय अस्पताल के मुख्य ट्रस्टी भरत महंत के खिलाफ आईपीसी की धारा 336, 337, 338 और 304(अ) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बता दें कि अहमदाबाद के नवरंगपुरा क्षेत्र स्थित श्रेय अस्पताल के आईसीयू में गत 6 अगस्त को आग लग गई थी।

इस घटना में 8 मरीजों की मौत हो गई थी।

घटना के वक्त अस्पताल में कोरोना संक्रमित 49 मरीज उपचाराधीन थे।

घटना के बाद 41 मरीजों को अहमदाबाद के एसवीपी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था।

55 वर्षीय महिला का अपहरण कर दो शख्सों ने किया दुष्कर्म

जामनगर (क्रांति समय सुरत), शहर में गत शाम दो शख्सों ने 55 वर्षीय एक महिला का अपहरण कर लिया और बाद में उसके साथ दुष्कर्म कर छोड़ दियां। पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक जामनगर शहर में रहनेवाली 55 वर्षीय महिला क संजय उर्फ चांदनी नरेन्द्रसिंह जाडेजा और संजय मेरामण मावदिया नामक दो शख्सों ने ऑटो रिक्शा में अपहरण कर लिया। अपहरण के बाद महिला को अपने घर ले गए, जहां दोनों आरोपियों ने उसके साथ बारी बारी दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद महिला को छोड़ दिया। आज सुबह पीड़ित महिला ने पुलिस थ. ाने में संजय जाडेजा और संजय मावदिया के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी। पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म इत्यादि दफाओं के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की है।

स्युसाइड करने जा रहे भाई को बचाने के प्रयास में बहन ने गंवाई जान

क्रांति समय

सूरत के सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में मां के साथ झगड़ा होने के बाद स्युसाइड करने जा रहे भाई को बचाने के प्रयास में बहन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान बहन ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक सूरत के सचिन जीआईडीसी के नीलकंठ रेसिडेन्सी के पालीगाम फ्लैट में रहनेवाले नंदलाल यादव प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं।

नंदलाल के चार संतानों में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं।रविवार की शाम नंदलाल यादव के 17 वर्षीय पुत्र रितेश की किसी बात को लेकर अपनी माता से झगड़ा हुआ था। जिसे लेकर नंदलाल ने रितेश को फटकार लगाई थी। पिता की फटकार से आहत रितेश आत्महत्या करने के लिए छत पर चढ़ गया। उस दौरान अपने भाई को मनाने 19 वर्षीय रोशनी उसके दौड़ पड़ी।

हांसोट पुलिस थाने की महिला कांस्टेबल ने फांसी लगाकर जान दी

क्रांति समय सुरत

भरुच. भरुच जिले के हांसोट पुलिस थाने में सेवारत महिला कांस्टेबल ने पुलिस लाइन स्थित अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर लीं। इस घटना से भरुच पुलिस बेड़े में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक भावनगर के घोघा की मूल निवासी 25 वर्षीय दीपिका भरतभाई परमार पिछले 4 साल से भरुच जिले के हांसोट पुलिस थाने में बतौर कांस्टेबल सेवारत थी।

हांसोट पुलिस लाइन में रहन. `वाली दीपिका परमार ने किन्हीं कारणों से मंगलवार की रात अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। खबर मिलते ही दीपिका का परिवार भी हांसोट पहुंच गया और उनकी उपस्थिति में शव का पोस्टमार्टम किया गया और बाद में शव उनको सौंप दिया गया। हांसोट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

शादी के बाद संबंध न बनाने देने पर पति ने की आत्महत्या

मृतक की मां की शिकायत पर पत्नी गीता परमार के खिलाफ केस

अहमदाबाद(एजेसी)। गुजरात के जिले अहमदाबाद में पुलिस ने पहले अपने दो पतियों को छोड़ चुकी 32 साल की महिला के खिलाफ अपने तीसरे पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। उसका तीसरे पति ने कुछ दिनों पूर्व इसलिए आत्महत्या कर ली कि 22 महीने की शादी के दौरान पत्नी ने उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाने दिए। यह केस महिला के मृत पति सुरेंद्र सिंह की मां मुली परमार (55) की शिकायत के आधार पर गीता परमार के खिलाफ दर्ज किया गया है। मुली ने अपनी एफआईआर मे बताया कि उनका बेटा सुरेंद्र सिंह एक रेलवे कर्मचारी था। उसका साल 2016 में पहली पत्नी से तलाक हो गया। इसके बाद अक्टूबर 2018 में उसकी दूसरी शादी गीता से हुई। गीता भी इससे पहले अपने दो पतियों को छोड़ चुकी थी। मुली ने एफआईआर में लिखवाया है, एक बार मैं जब अपने बेटे के कमरे गई

तो देखा कि मेरा बेटा ओर बहू अलग–अलग बिस्तरों पर सो रहे हैं। पूछने पर मेरे बेटे ने बताया कि वह अभी तक अपनी पत्नी के साथ शारीरिक संबंध नहीं बना पाया क्योंकि उसकी पत्नी ने कसम खाई है कि वह अपने पति के साथ कभी नहीं सोएगी। मुली ने आरोप लगाया है कि इसी वजह से उनका बेटा मानसिक तनाव में रहता था। इसी बात पर उसके बेटे और बहू के बीच छोटी–छोटी बातों पर झगड़ा होने लगा। इसके बाद बहू अपने मायके चली गई और बेटे ने भी उसका फोन ब्लॉक कर दिया, लेकिन तब से वह डिप्रेशन में चला गया। पिछली 27 जुलाई को जब परिवार वाले एक अंतिम संस्कार में बाहर गए हुए थे तो घर में अकेले सुरेंद्र सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

समुद्र में डूबकर 2 युवकों की मौत, एक को स्थानीय तैराकों ने बचाया

भावनगर (क्रांति समय सुरत), जिले के कलसार गांव स्थित बथेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करने के बाद तीन युवक समुद्र में नहाने गए थें। जिसमें दो युवकों की समुद्र में डूबने से मौत हो गई, जबकि एक युवक को स्थानीय तैराकों ने बचा लिया। जानकारी के मुताबिक भावनगर की महुवा तहसील के मालवाव गांव निवासी विशाल, राजु और रमेश नामक तीन युवक जन्माष्टमी के मौके पर कलसार गांव स्थित बथेश्वर महादेव के दर्शन करने गए थे। महादेव के दर्शन करने के बाद लौटते समय तीनों युवक कलसार गांव के निकट समुद्र में नहाने चले गएद्य समुद्र में ऊंची ऊंची लहरें उठ रही थीं, जिसमें तीनों युवक फंस गए और पानी में डूबने लगे। युवकों को डूबता स्थानीय तैराकों ने समुद्र में छलांग लगा दी और रमेश डोडिया नामक युवक को बचा लिया। जबकि राजु डोडिया और विशाल डोडिया नामक युवकों की समुद्र में डूबकर मौत हो गई।मृतक युवक एक ही परिवार के होने का पता चला है।

गुजरात के एक और कोविड अस्पताल में आग से अफरातफरी मची

छोटाउदेपुर (क्रांति समय सुरत), पिछले सप्ताह अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल में आग लगने से कोरोना संक्रमित 8 मरीजों की मौत की स्याही सूखी नहीं थी कि अब छोटाउदेपुर के बोडेली स्थित कोविड 19 अस्पताल में आग की घटना से अफरातफरी मच गईं। बताया जा रहा है कि बोडेली के कोविड 19 अस्पताल में आग शोटसर्किट की वजह से लगी। जानकारी के मुताबिक छोटाउदेपुर के बोडेली में ढोकलिया पब्लिलक होस्पिटल को कोरोना मरीजों के उपचार के लिए चिन्हित किया गया था। जहां तहसील के का. `रोना संक्रमितों का उपचार किया जाता है।

बुधवार की सुबह अस्पताल में अचानक एक रूम में शोरसर्किट की वजह से आग लगने से अफरातफरी मच गई।

उपचाराधीन मरीजों को तुरंत दूसरे कमरे में शिफ्ट किया गया और आग जल्द काबू पा लिया गयां। घटना के बाद उपचाराध ीन मरीजों को छोटाउदेपुर के अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई। गौरतलब है गत 6 अगस्त को अहमदाबाद के श्रेय अस्पताल के आईसीयू अस्पताल में आग लगने से उपचाराधीन 8 मरीजों की मौत हो गई थीं। इस मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के निवृत्त न्यायधीश की अध्यक्षता में एक जांच आयोग का गठन किया है, जो तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगा।

अहमदाबाद मण्डल पर स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत

अहमदाबाद (क्रांति समय सुरत), माननीय प्रधानमंत्री की पहल पर पूरे भारतीय रेल पर स्वच्छता सप्ताह प्रारंभ किया गया है। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर भी स्वच्छता सप्ताह की शुरूआत की गई है जो 16 अगस्त 2020 तक चलेगा।

मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने बताया कि 10 अगस्त से मण्डल पर स्वच्छता सप्ताह के तहत वर्तमान में कोरोना वैश्विक महामारी को देखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग नियमों का पालन करते हुए रेलवे स्टेशनों व रेल परिसर तथा उसके आसपास के क्षेत्र, वाटरवेंडिंग मशीन व पीने के पानी के वाटर हट, ड्रेनेज टॉयलेट तथा वर्कप्लेस व कार्यालयों सहित सभी क्षेत्रों में गहन सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह के दौरान रेलवे ट्रेकों पर स्वच्छता के लिए विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। कोरोना महामारी के समय जहां नियमित ट्रेनों का संचालन वर्तमान में अगली सूचना तक बंद है जिससे रेलवे ट्रेकों पर ट्रेनों के संचालन का दबाव कम है जिससे हमें रेलवे ट्रेकों की साफ–सफाई बेहतर ढंग से करने में मदद मिलेगी।

उनके अनुसार रेलवे ट्रेकों की सफाई के दौरान हमारा विशेष ज़ोर अन्य कचरे के साथ साथ ट्रेक के आस पास प्लास्टिक कचरे को एकत्रित करने पर रहेगा।

मंडल के भुज,गांधीधाम, पालनपुर, विरमगाम, महेसाणा, साबरमती तथा अहमद. ाबाद स्टेशनों सहित साबरमती व वटवा डीजल शेड , कांकरिया, अहमदाबाद व साबरमती कोचिंग डिपो, मणिनगर, सरसपुर तथा साबरमती व शाहीबाग रेलवे कॉलोनियों तथा मंडल कार्यालय पर भी स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई । जिसमें मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा, अपर मण्डल रेल प्रबंधक अनंत कुमार तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा रेलकर्मी उपस्थित थे।

गुजरात में 1152 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 74000 के पार

अहमदाबाद (क्रांति समय सुरत), गुजरात में कोरोना कहर जारी है और बुधवार को 1152 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 74000 को पार कर गयाद्य पिछले 24 घंटों में राज्य में 18 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई और 977 मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 195, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 147, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 93, सूरत में 77, राजकोट कॉर्पोरेशन में 59, राजकोट में 36, अमरेली में 35, भ. ावनगर कॉर्पोरेशन में 35, जामनगर कॉर्पोरेशन में 34, पंचमहल में 34, मेहसाणा में 32, गिर सोमनाथ में 27, कच्छ में 27, सुरेन्द्रनगर में 27, वडोदरा में 27, भरुच में 25, दाहोद में 21, मोरबी में 21, वलसाड में 18, गांधीनगर में 16, खेडा में 16, गांध ीनगर कॉर्पोरेशन में 14, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 14, आणंद में 13, नवसारी में 13, अहमदाबाद में 12, भावनगर में 11, नर्मदा में 11, साबरकांठा में 11, पाटन में 10, बनासकांठा में 8, बोटाद में 6, तापी में 66, जूनागढ़ में 5, अरवल्ली में 4, जामनगर में 4, पोरबंदर में 3, छोटाउदेपुर में 2, महीसागर में 2 और देवभूमि द्वारका 1 समेत कुल 1152 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आएद्य जबकि 977 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान राजकोट कॉर्पोरेशन में 5, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, सूरत में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2, राजकोट में 1 और तापी में 1 समेत 18 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। गुजरात में आज पहली बार 50124 टेस्ट किए गए। इसी के साथ राज्य में अब तक 1109005 किए गए, जिसमें कुल 74390 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। 74390 मामलों में 57393 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि अब तक कुल 2715 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है। शेष 14282 सक्रिय मरीजों में 14207 की हालत स्थिर है और 75 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 494121 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 492551 होम कोरन्टाइन और 1611 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखे गए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)